रांची, शुक्रवार, 6 मार्च 2026
संवत 2082, चैत्र कृष्ण 3 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 172 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ पाकिस्तान, तुर्की और ईरान में चरमपंथ की उत्पत्ति और परिणाम बढ़ोत्तरी

अक्षरा सिंह ने किया खुलासा भोजपुरी इंडस्ट्री में महिला कलाकारों के साथ क्या हो रहा है 6

अवैध कोयला कारोबार

एक व्यक्ति की हत्या, भागने के दौरान हमलावरों ने तीन लोगों को कार से कुचला, मौत

संवाददाता

हजारीबागः जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र में बीते गुरुवार रात अवैध कोयला कारोबार को लेकर हिंसक घटना सामने आई। धारदार हथियार से एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई, जबकि हमलावरों के भागने के दौरान कई लोग वाहन की चपेट में आ गए। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

हमलावरों ने कई लोगों को कुचलाः बड़कागांव थाना क्षेत्र के नापो गांव में गुरुवार रात अवैध कोयला कारोबार से जुड़े रोहित साव की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि

हमलावर स्कॉर्पियो वाहन से गांव पहुंचे थे और उन्होंने रोहित साव पर हमला कर दिया। घटना के बाद हमलावर स्कॉर्पियो से भागने लगे। इसी दौरान वाहन ने कई लोगों को कुचल दिया, जिसमें छह लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान प्रदीप साव समेत दो लोगों की रांची में मौत हो गई।

मामले की जांच शुरूः घटना में मृतक की पत्नी और दो बच्चे भी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपियों की स्कॉर्पियो गाड़ी को आग के हवाले कर दिया। सूचना मिलने पर बड़कागांव पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

पूरे इलाके में तनाव और दहशत का माहौलः प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह घटना अवैध कोयला कारोबार से जुड़ी हो सकती है। बताया जा रहा है कि नापो गांव के बरवानिया इलाके में नए कोल हार्ड कूप फैक्ट्री के निर्माण को लेकर विवाद चल रहा था। पिछले दो महीनों से क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबार तेजी से बढ़ा है और इसी कारोबार में वर्चस्व की लड़ाई को घटना का कारण माना जा रहा है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

अमेरिका ने भारत पर से हटाई पाबंदियां, 30 दिन तक रूस से तेल खरीदने की दी छूट

एजेंसी/ वाशिंगटनः अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए कुछ समय के लिए पाबंदियों पर ढील दे दी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने कुछ समय के लिए पाबंदियों में ढील दी है, ताकि भारत समुद्र में फंसे रूसी तेल को खरीद सके। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि 30 दिन की छूट से वैश्विक बाजार में तेल की आवाजाही बनी रहेगी, ईरान की वैश्विक ऊर्जा को बंधक बनाने की कोशिश से पैदा हुए दबाव को कम किया जा सकेगा। श्री बेसेंट ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि यह कदम एक जानबूझकर उठाया गया अल्पकालीन है, जिससे रूसी सरकार को कोई खास वित्तीय फायदा नहीं होगा, क्योंकि इसमें सिर्फ वही तेल शामिल है, जो पहले से समुद्र में फंसा हुआ है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी तेल पर पाबंदी लगा दी, जिससे खरीदारों को दूसरे विकल्प ढूंढने पड़े थे। भारत रूस ऊर्जा का एक बड़ा खरीददार है और अमेरिका ने भारत पर दबाव डाला है कि वह हमले के लिए पैसे का बहाव कम करने की कोशिश में उसका (रूस) तेल खरीदना बंद कर दे।

भारतीय वायुसेना का सुखोई एसयू-30एमकेआई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, हादसे में दोनों पायलटों की मौत

गुवाहाटी : असम में भारतीय वायुसेना का सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान क्रैश हो गया। इस घटना में फाइटर जेट सवार दोनों पायलट की जान चली गई। भारतीय वायुसेना ने यह जानकारी दी।

भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, वायुसेना, स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर के निधन पर दुख जताती है, जिन्हें सुखोई-30 क्रैश में घातक चोटें आई थीं। वायुसेना के सभी कर्मचारी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट के गुरुवार को असम में लापता होने की जानकारी थी। शुरूआती रिपोर्ट्स से पता चला था कि एयरक्राफ्ट कार्बी आंगलोंग जिले के पहाड़ी इलाके के ऊपर उड़ रहा था, जब अचानक ग्राउंड कंट्रोल से उसका कम्युनिकेशन टूट गया। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) के अनुसार, फाइटर जेट एक रूटीन मिशन के दौरान रडार से गायब हो गया। एयरफोर्स की टीमों को फैक्ट्स का पता लगाने और कोवेरिफाई करने के लिए भेजा गया। जिस इलाके में रडार संपर्क टूटा, वह ज्यादातर घने जंगल और पहाड़ी इलाका है। घटना के अगले दिन भारतीय वायुसेना ने विमान ने क्रैश होने की पुष्टि की।

सुखोई-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना के फ्रंटलाइन मल्टी-रोल फाइटर जेट में से एक है और यह भारत की पूरी एयर डिफेंस कैपेबिलिटी का जरूरी हिस्सा है।

हालांकि, सुखोई-30 एमकेआई एयरक्राफ्ट से जुड़ी घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। अगस्त 2019 में सुखोई-30 एमकेआई एक रूटीन ट्रेनिंग मिशन के दौरान असम में तेजपुर के पास धान के खेत में क्रैश हो गया था। दोनों पायलट सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे और बाद में उन्हें बचा लिया गया।

इससे पहले मई 2015 में, एक और सुखोई-30 एमकेआई एयरक्राफ्ट टेक-ऑफ के तुरंत बाद तेजपुर एयर फोर्स बेस से लगभग 36 किमी। दक्षिण में क्रैश हो गया था, जिसमें क्रैश होने से पहले दोनों पायलट सुरक्षित निकल गए थे।

ईरान ने कतर में फोड़ी अमेरिका की सबसे बड़ी आंख

महायुद्ध के बीच तबाह हुआ 1.1 अरब डॉलर का सीक्रेट रडार

नई दिल्ली (एजेंसी) : अमेरिका और इजरायल के साथ सीधे महायुद्ध में उलझे ईरान ने अब एक ऐसा खौफनाक कदम उठा लिया है, जिससे पेंटागन से लेकर व्हाइट हाउस तक हड़कंप मच गया है। हिंद महासागर में अमेरिका द्वारा एक ईरानी पोत को बेरहमी से डुबाने और 80 से ज्यादा लोगों की दर्दनाक मौत के बाद ईरान बदले की आग में बुरी तरह सुलग उठा। इसी बौखलाहट और बदले की भावना में ईरान ने कतर में मौजूद अमेरिका की सबसे अहम आंख को ही फोड़ डाला है, जिससे पूरे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सेना लगभग अंधी हो गई है।

यह कोई मामूली हमला नहीं था, बल्कि ईरान ने सीधे तौर पर 1.1 अरब डॉलर (करीब 9000 करोड़ रुपये) की लागत वाले उस महाशक्तिशाली अमेरिकी रडार सिस्टम को तबाह कर दिया है, जो उसकी मिसाइल रक्षा प्रणाली की रीढ़ माना जाता था। प्लैनेट लैब्स की ताजा खुफिया सैटेलाइट तस्वीरों ने इस खौफनाक तबाही की गवाही दे दी है। तस्वीरों में कतर स्थित अमेरिकी स्पेस फोर्स के एन/एफपीएस-132 (ब्लॉक 5) बैलिस्टिक मिसाइल अर्ली वार्निंग रडार सिस्टम के पास भीषण आग और तबाही का मंजर साफ देखा जा सकता है, जहां आग बुझाने का काम बदहवासी में चल रहा है।

आखिर अभेद्य माने जाने वाले इस अमेरिकी सुरक्षा चक्र में ईरान ने सेंध कैसे लगाई, यह सवाल हर किसी के मन में है। ईरान की कुख्यात इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इस अचूक हमले की जिम्मेदारी ली है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान ने मिसाइलों और अपने सस्ते लेकिन बेहद खतरनाक शाहेद ड्रोन के एक बड़े झुंड का एक साथ इस्तेमाल करके दुनिया के सबसे ताकतवर अमेरिकी एयर डिफेंस को पूरी तरह चकमा दे दिया। इस आत्मघाती ड्रोन ने करोड़ों के रडार सिस्टम के परखच्चे उड़ा दिए।

रेथियॉन कंपनी द्वारा बनाए गए इस रडार की तबाही अमेरिका के लिए किसी खौफनाक सपने से कम नहीं है। 5000 किलोमीटर तक की दूरी से किसी भी घातक बैलिस्टिक मिसाइल को सूंघ लेने वाला यह सिस्टम ईरान, इराक, सीरिया, तुर्किये से लेकर हिंद महासागर तक पल-पल की निगरानी करता था। पेंटागन के पूर्व सलाहकार और सैन्य अधिकारी कर्नल डगलस मैकग्रेगर ने सोशल मीडिया पर साफ चेतावनी दी है कि इस हमले के बाद अमेरिका की मिसाइल पकड़ने वाली आंखें हमेशा के लिए फूट चुकी हैं। भू-राजनीति विशेषज्ञों के मुताबिक, इस रडार के नष्ट होने का मतलब है कि अब मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों पर कभी भी बड़ा और जानलेवा मिसाइल हमला हो सकता है, और उन्हें संभलने तक का मौका नहीं मिलेगा।

अनिल अंबानी के ठिकानों पर सुबह-सुबह ईडी की रेड, यस बैंक से जुड़ा है कनेक्शन

मुंबई : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुबह-सुबह देश के जाने-माने उद्योगपति अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड पर बड़ा एक्शन लेते हुए कॉर्पोरेट जगत में हड़कंप मचा दिया है। खबर है कि ईडी की करीब 15 विशेष टीमों ने अलसुबह ही मुंबई और हैदराबाद में 10 से 12 गुप्त ठिकानों पर अचानक धावा बोल दिया। यह पूरी कार्रवाई रिलायंस पावर से जुड़े बड़े कारोबारियों के घरों और दफ्तरों पर की जा रही है। हालांकि, जांच में किसी भी तरह की सेंधमारी से बचने के लिए एजेंसी ने अभी तक उन विशिष्ट पतों का खुलासा नहीं किया है जहां यह सघन तलाशी अभियान चल रहा है।

छापेमारी के बीच शेयर बाजार का चौंकाने वाला खेलः इस ताबड़तोड़ रेड की खबर से जहां एक तरफ भूचाल आया हुआ है, वहीं शेयर बाजार में निवेशकों का एक अजीबोगरीब ट्रेंड देखने को मिला है। इतनी बड़ी और नकारात्मक खबर के बावजूद रिलायंस पावर के शेयरों में अचानक लगभग 2 प्रतिशत का उछाल आया और यह 23 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। सिर्फ यही नहीं, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों ने भी 4 फीसदी से ज्यादा की लंबी छलांग लगाई और यह 94।20 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। यह बाजार का रुख कई वित्तीय विशेषज्ञों को हैरान कर रहा है।

मनी लॉन्ड्रिंग का जाल और अबोड की जब्तीः सूत्रों के हवाले से यह बात सामने आई है कि यह पूरी कार्रवाई रिलायंस पावर में संदिग्ध फंड ट्रांसफर और बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग के शक में की जा रही है। आपको याद दिला दें कि यह रेड कोई अचानक उठाया गया कदम नहीं है। अभी पिछले ही महीने, यानी फरवरी 2026 में, ईडी ने 40,000 करोड़ रुपये के रिलायंस कम्युनिकेशंस (आर-कॉम) बैंक फ्रॉड के एक पुराने और बेहद गंभीर मामले में बड़ा एक्शन लिया था। तब जांच एजेंसी ने अनिल अंबानी के मुंबई के पॉश पाली हिल इलाके में स्थित 3,500 करोड़ रुपये के आलीशान घर अबोड को कुर्क कर लिया था।

इस पूरी कहानी के तार कुख्यात यस बैंक घोटाले से भी बहुत गहराई से जुड़े हुए हैं। पिछले साल दिसंबर 2025 में ईडी ने यस बैंक के संस्थापक राणा कपूर से भी अनिल अंबानी समूह को दिए गए संदिग्ध लोन के मामले में लंबी पूछताछ की थी। जांच अधिकारियों के मुताबिक, राणा कपूर और अनिल अंबानी के बीच नुकसान के बदले फायदे (क्विड-प्रो-क्वो) का एक गुप्त और अवैध सौदा हुआ था। जब राणा कपूर यस बैंक के शीर्ष पद पर बैठे थे, तब रिलायंस एडीएजी ग्रुप पर बैंक का जोखिम मात्र एक साल (2017 से 2018) में 6,000 करोड़ से बढ़कर 13,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया था।

बैंक को लगा 3,300 करोड़ का चूनाः आरोप बेहद गंभीर और चौंकाने वाले हैं। बताया जा रहा है कि इन दोनों दिग्गजों ने इन अवैध समझौतों को अंजाम देने के लिए कई बेहद निजी बैठकें की थीं, जिनमें यस बैंक के अन्य शीर्ष अधिकारियों को जानबूझकर बाहर रखा जाता था। यस बैंक ने एडीएजी समूह की रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का अंधाधुंध निवेश किया, जो बाद में पूरी तरह डूब गया। इसके बदले में एडीएजी समूह ने राणा कपूर के परिवार द्वारा नियंत्रित कंपनियों को भारी-भरकम लोन बांटे। इस पूरे खतरनाक खेल में यस बैंक को लगभग 3,300 करोड़ रुपये का सीधा और भारी नुकसान उठाना पड़ा था, जिसका खामियाजा आम निवेशकों ने भुगता।

चारधाम यात्रा 2026 : आज से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू, 19 अप्रैल से खुलेंगे गंगोत्री-यमुनोत्री के कपाट

देहरादून : चारधाम यात्रा-2026 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन आज सुबह 7 बजे से शुरू हो गया है। जबकि 17 अप्रैल से ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। उत्तराखंड सरकार ने यात्रा से पहले रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन उत्तराखंड सरकार की वेबसाइट रजिस्ट्रेशनडीटूरिस्टकेयर।यूके।जीओवी।इन और मोबाइल ऐप टूरिस्ट केयर उत्तराखंड से कर सकते हैं। उत्तराखंड सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 19 अप्रैल को यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुलेंगे। 22 अप्रैल को केदारनाथ और 23 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। श्रीहेमकुण्ड साहिब की आधिकारिक घोषणा बाद में की जाएगी। उत्तराखंड सरकार की ओर से बताया गया है कि चारधाम यात्रा 2026 में आने के लिए भारतीय श्रद्धालु अपना पंजीकरण आधार कार्ड के माध्यम से कर सकेंगे, जबकि विदेशी श्रद्धालुओं के लिए ई-मेल आईडी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिन श्रद्धालुओं के पास आधार कार्ड उपलब्ध नहीं है, उनके लिए पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंजीकरण काउंटरों की व्यवस्था की गई है। इन काउंटरों पर रजिस्ट्रेशन कपाट खुलने से दो दिन पूर्व, 17 अप्रैल 2026 से प्रारम्भ की जाएगी। पंजीकरण केन्द्र एवं ट्रांजिट कैंप ऋषिकेश, पंजीकरण केन्द्र ऋषिकुल ग्राउंड हरिद्वार और पंजीकरण केंद्र विकास नगर देहरादून में खुलेंगे।

तेहरान की खास शॉपिंग स्ट्रीट पर इजरायल का अटैक 200 बच्चों की मौत पर यूनिसेफ ने जताई चिंता

मेरिका/एजेंसीः इजराइल और ईरान के बीच तनाव शुक्रवार को सातवें दिन भी जारी रहा। पूरे क्षेत्र में लड़ाई का प्रकोप बढ़ता जा रहा था। अमेरिकी सेना ने ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमले तेज कर दिए, जबकि इजराइल ने अपने अभियान के एक नए चरण का संकेत दिया। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में ईरान पर अमेरिकी सैन्य शक्ति में भारी वृद्धि हो सकती है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी और इजराइली सेनाएं ईरानी सैन्य क्षमताओं को पूरी तरह से नष्ट कर रही हैं। उनका दावा है कि संघर्ष तेज होने के साथ ही ईरान की वायु सेना और नौसेना काफी हद तक तबाह हो चुकी हैं। श्रीलंका के तट पर अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागे गए एक टॉरपीडो से एक ईरानी युद्धपोत के डूबने से कम से कम 87 लोग मारे गए। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, 32 लोगों को बचाया गया और उन्हें श्रीलंका के दक्षिणी तट पर स्थित गाले शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यूनिसेफ का दावा- हमलों में लगभग 200 बच्चे मारे गए : यूनिसेफ के अनुसार, सप्ताहांत में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई के बाद से मध्य पूर्व में लगभग 200 बच्चों के मारे जाने की खबर है। यूनिसेफ ने बताया कि इनमें से कम से कम 181 बच्चे ईरान में, सात लेबनान में, तीन इजराइल में और एक कुवैत में मारे गए हैं। यूनिसेफ ने कहा कि बच्चे युद्ध शुरू नहीं करते, लेकिन उन्हें इसकी असहनीय कीमत चुकानी पड़ती है। मध्य पूर्व में सैन्य कार्रवाई का बच्चों पर पहले से ही विनाशकारी प्रभाव पड़ा है। अमेरिकी और इजराइली सेना (आईआरजीसी) के अनुसार, ईरान पर अमेरिकी और इजराइली हमलों के पहले दिन, दक्षिणी ईरान के मीनाब में एक लड़कियों के स्कूल पर हमला हुआ, जिसमें कम से कम 175 छात्राओं की मौत हो गई।

ईरान में जमीनी सेना तैनात करने पर विचार नहींः ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी प्रसारक एनबीसी को बताया कि ईरान में अमेरिकी जमीनी सेना भेजने पर विचार करना फिलहाल समय की बबार्दी होगी। ट्रंप ने एनबीसी को फोन पर बताया, यह समय की बबार्दी है। वे सब कुछ खो चुके हैं। उन्होंने अपनी नौसेना खो दी है। वे वह सब कुछ खो चुके हैं जो वे खो सकते थे। उन्होंने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची की इस चेतावनी को भी व्यर्थ की टिप्पणी कहकर खारिज कर दिया कि ईरान में विदेशी सैनिकों की तैनाती आक्रमणकारियों के लिए विनाशकारी साबित होगी।

इजरायली कमांडर का दावा- ईरान के खिलाफ ऑपरेशन का नेक्सट राउंड शुरूः इजरायल के सैन्य प्रमुख ने चेतावनी दी है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल अभियान अगले चरण में पहुंच गया है और इससे ईरान की सरकार और उसकी सैन्य क्षमताओं को और अधिक कमजोर किया जाएगा। लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने टेलीविजन पर प्रसारित एक बयान में कहा कि आगे और भी चौंकाने वाली घटनाएं हैं जिनका खुलासा मैं नहीं करना चाहता। जमीर ने यह बयान शुक्रवार तड़के ईरानी राजधानी तेहरान में नए हमलों की लहर की खबरों के बीच जारी किया।

पैतृक गांव नेमरा पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

सपरिवार 'बाहा पर्व' में शामिल होकर की पूजा-अर्चना

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सपरिवार अपने पैतृक गांव नेमरा में आयोजित 'बाहा पर्व' में शामिल हुए। इस अवसर पर सोरेन ग्रामीणों के साथ नेमरा गांव स्थित जाहेर थान पहुंचे। मुख्यमंत्री वहां पारम्परिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की।

लोगों ने मुख्यमंत्री सोरेन का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया: परंपरा के अनुरूप पूजन कार्य गांव के नाइके बाबा (पाहन) चैतन टुडू एवं कुडम नाइके बाबा (उप पाहन) छोटू बेसरा ने संपन्न कराया। मुख्यमंत्री सोरेन नेमरा के ग्रामीणों के साथ बाहा पूजा' के लिए अपने निवास स्थान से पदयात्रा करते हुए जाहेर थान पहुंचे। मुख्यमंत्री सोरेन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाहा

पर्व' में शामिल होने अपने पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। सोरेन को अपने बीच पाकर नेमरा सहित आसपास क्षेत्र के लोग काफी उत्साहित नजर आए। संस्कृति के अनुरूप नेमरा के ग्रामीण ढोल-नगाड़ा एवं मांदर बजाते हुए मुख्यमंत्री के साथ जाहेर थान पहुंचे।

मौके पर मुख्यमंत्री सोरेन ने स्वयं मांदर बजाकर ग्रामीणों का उत्साहवर्द्धन किया। मौके पर उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री सोरेन का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया। मुख्यमंत्री सोरेन अपनी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन सहित सपरिवार दो दिवसीय दौरे पर नेमरा पहुंचे। मुख्यमंत्री के आगमन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में आसपास क्षेत्र के लोग नेमरा गांव पहुंचे तथा सोरेन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री भी आत्मीयता के साथ लोगों से मिले एवं उनकी बातों को सुना। मौके पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को बाहा पर्व' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

तेज रफ्तार का कहर

साइन बोर्ड से टकराई बाइक, युवक की मौके पर मौत, एक अन्य घायल

संवाददाता

खूंटी: जिले में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं के बावजूद लोग लापरवाही से वाहन चला रहे हैं, जिसका खामियाजा उन्हें अपनी जान गंवाकर चुकाना पड़ रहा है। आए दिन किसी न किसी सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है। कभी किसी वाहन की चपेट में आने से तो ज्यादातर मामलों में तेज रफ्तार और अनियंत्रित बाइक दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। सोशल मीडिया और खबरों में लगातार चेतावनी के बावजूद लोग सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं, जिससे न केवल उनका बल्कि उनके परिवार का जीवन भी प्रभावित हो रहा है। ऐसी ही एक दर्दनाक घटना खूंटी-कोलेबिरा स्टेट हाईवे-3 पर मरचा मोड़ के पास गुरुवार 5 मार्च की रात करीब

11:30 बजे देखने को मिली। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार और अनियंत्रित हीरो होंडा स्ट्रीम बाइक सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक लगभग 20 फीट दूर झाड़ियों में जा घुसी। इस दुर्घटना में बाइक चला रहे तपकरा थाना क्षेत्र के गुफु कुमांग गांव निवासी 17 वर्षीय रोशन बागे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार 16 वर्षीय अमन गुड़िया (गुफु गांव निवासी) गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस को बुलाकर दोनों को रेफरल अस्पताल तोरपा भेजा। घायल अमन गुड़िया ने बताया कि वे दोनों बाइक से पोकला जा रहे थे, तभी मरचा मोड़ के पास बाइक अनियंत्रित होकर साइन बोर्ड से टकरा गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों को उजागर करती है। पुलिस और प्रशासन लगातार लोगों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने, हेलमेट पहनने और तेज रफ्तार से बचने की अपील कर रहे हैं, ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। लेकिन न तो लोग सुधार रहे है न ही ऐसी घटनाओं में कमी आ रही है।

महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन करेगा हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा

संवाददाता

रांची: हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) झारखंड द्वारा आगामी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जो होली मिलन समारोह के तुरंत बाद संपन्न हुई।

बैठक के उपरांत पार्टी के युवा कार्यकारी अध्यक्ष हरे कृष्ण महाराज ने बताया कि भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति की पूजा और सम्मान की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रमुख उसूलों में महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को विशेष महत्व दिया गया है। इसी भावना के अनुरूप महिला दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए यह बैठक की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से कार्यक्रम का नाम नारी सेना सम्मान समारोह सह सदस्यता अभियान तय किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित करने के साथ-साथ संगठन के सदस्यता अभियान को भी गति दी जाएगी।

बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ युवा समाजसेवी संतोष जायसवाल एवं वरिष्ठ समाजसेवी केसी भैया ने भी भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

इस अवसर पर हरे कृष्ण महाराज ने बताया कि पटना जाकर इस कार्यक्रम की जानकारी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को देंगे तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि इस क्रम में वे पार्टी के संस्थापक एवं भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से मुलाकात करेंगे। साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन से भी दिशा-निर्देश प्राप्त करेंगे।

इसके अतिरिक्त कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए वे पार्टी के प्रधान महासचिव राजेश पांडेय तथा युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कमाल परवेज से भी भेंट कर संगठनात्मक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल के माध्यम से झारखंड में हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) की गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी और विशेष रूप से पार्टी के महिला प्रकोष्ठ की भागीदारी आने वाले दिनों में और अधिक सशक्त रूप में देखने को मिलेगी।

अपहरण व हत्या के आरोपी ने थाना में फांसी लगाकर की आत्महत्या, महकमे में हड़कंप

5 पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज, एसएसपी ने किया निलंबित

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के नामकुम थाना में गुरुवार को एक सनसनीखेज घटना सामने आई। 12 वर्षीय बच्चे के अपहरण और हत्या के आरोप में गिरफ्तार आरोपी ने थाना हाजत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

मृतक की पहचान जगय मुंडा के रूप में हुई है। पुलिस ने गुरुवार सुबह उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। बताया जाता है कि जगय मुंडा मूल रूप से खूंटी जिले के साइको थाना क्षेत्र के कोल्हापूर्ति गांव का रहने वाला था। आरोपी और महिला के बीच विवाद : जानकारी के अनुसार,

उसका उसी गांव की एक महिला के साथ अवैध संबंध था और दोनों वर्तमान में नामकुम थाना क्षेत्र में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि रविवार को किसी बात को लेकर आरोपी और महिला के बीच विवाद हो गया था। विवाद के बाद आरोपी ने महिला के 12 वर्षीय बेटे रमेश हजाम का अपहरण कर लिया।

हत्या कर शव को जमीन में दफना दिया: अपहरण के बाद वह बच्चे को रामगढ़ जिले के घाटों इलाके में ले गया, जहां उसकी हत्या कर शव को जमीन में दफना दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जगय मुंडा को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी ने बच्चे के अपहरण और हत्या की बात स्वीकार कर ली: पुलिस की कड़ी पूछताछ के दौरान उसने बच्चे के अपहरण और हत्या की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद उसकी निशानदेही पर पुलिस ने दफनाए गए बच्चे का शव बरामद किया। बरामदगी के बाद आरोपी को थाना लाया गया, जहां उसने हाजत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, थाना हाजत में आरोपी की आत्महत्या को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं, जिसकी भी जांच की जा रही है।

विस घेराव को लेकर झारखंड आन्दोलनकारियों की बैठक 10 मार्च को

मुरी: आगामी 10 मार्च को विधानसभा घेराव को लेकर झारखंड आन्दोलन कारी संघर्ष के रांची जिला अध्यक्ष सुबोध लकड़ा, रोजलिन तिर्की, सरोजनी कच्छप, सोमरी उराईन, जितेंद्र सिंह कुशवाहा, अमर भेंगरा, मनोज लकड़ा की उपस्थिति में रांची जिला के विभिन्न प्रखंडों से आन्दोलनकारियों ने डोरंडा के केन्द्रीय कार्यालय में हिस्सा लेंगे। बैठक में झारखंड आन्दोलन कारी अपनी मांगो की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करेंगे। जिसमें सिल्ली प्रखंड से दिनेश चौधरी, रामाकांत, नगड़ी से अलाउद्दीन अंसारी, अर्जुन प्रजापति, सुरेश, राजेन्द्र, अयोध्या, मांडर से दुखा उरांव, बरसु कूजूर, प्रदीप क्रिस्टोफा, मरियम एक्का, चान्हो से गौरा उरांव, रामकृष्ण भगत, सिमोन,समेत दर्जनों सदस्य एकजुटता दिखाए। इसी मुद्दे को लेकर सिल्ली बंता में बैठक आहुत की गयी है।

जेएमएम महासचिव विनोद पांडेय का बीजेपी पर तीखा हमला, कहा-

भाजपा ने की नीतीश कुमार की राजनीतिक हत्या

संवाददाता

रांची: झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बिहार में बदलते राजनीतिक समीकरण को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक हत्या कर दी है और बिहार के जनादेश का अपमान किया है।

बिहार में भाजपा की यह साजिश काफी पहले से चल रही थी: पांडेय ने बयान जारी करते हुए कहा कि भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा एक बार फिर देश की जनता के सामने आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस चेहरे पर बिहार की जनता ने भरोसा जताते हुए जनादेश दिया था, उसी चेहरे को राजनीति की मुख्यधारा से दूर कर दिया गया। पांडेय ने यह भी दावा किया कि बिहार में भाजपा की यह साजिश काफी पहले से चल रही थी और उन्होंने आशंका जताते हुए कहा कि आने वाले समय में जनता दल (यूनाइटेड) का विलय भाजपा में हो सकता है।

भाजपा के खिलाफ उनकी पार्टी की लड़ाई जारी रहेगी: पांडेय ने कहा कि झारखंड में ऐसी किसी भी साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा के खिलाफ उनकी पार्टी की लड़ाई पहले भी थी और आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए हमेशा सतर्क रही है और राज्य में भाजपा की किसी भी राजनीतिक चाल को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

होली धूमधाम से संपन्न

मुरी: मुरी- सिल्ली समेत सीमावर्ती बंगाल में होली धूमधाम से मनाया गया। छिटपुट झड़प की सूचना के वावजूद लोगों ने शांति से होली मनाया। बच्चों के साथ बड़े भी होली खेलते नजर आये।

जिस आशा व विश्वास के साथ आपलोगों ने मुझे चुना है, मैं उसे टूटने नहीं छूंगा: अमित महतो

गोड़ाडीह में स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण कार्य की रखी गयी आधारशिला

संवाददाता

सिल्ली : विधायक अमित महतो की उपस्थिति में सरोमा देवी ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन योजना अंतर्गत गोड़ाडीह में स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस आशा व भरोसा के साथ आप लोगों ने मुझे 5 साल के लिए चुना है मैं उसपर खतरा उतरूंगा । मैं आपके भरोसे को टूटने नहीं दूंगा। आगे मुझे बहुत सारे विकास के काम करने हैं। बहुत दिनों से लोगों की मांग था कि एक उप स्वास्थ्य केंद्र बने ताकि इतने दूर दराज के लोगों को मामूली बीमारी के लिए सिल्ली सामुदायिक अस्पताल जाने की जरूरत ना पड़े। मौके पर झामुमो नेता मोहर्रम मोमिन, भोंदु नायक,

जेरका बेदिया, दिनेश बेदिया, हेमलाल बेदिया ,जाफिर अंसारी, सुमरा बेदिया, नकुल करमाली, जितेन गोस्वामी ,गणेश बेदिया, त्रिलोचन बेदिया, चंद्र किशोर गोस्वामी,पंसस चैती देवी पंचायत के मुखिया सावन देवी लोटा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि रविन्द्र नाथ मुंडा समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। वही विभागीय अधिकारी व संवेदक का कोई अता पता नही था।

बंगाल विस चुनाव के लिए जेएलकेएम ने कसी कमर

झालदा में खुला पार्टी कार्यालय

संवाददाता

सिल्ली /झालदा : बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल की राजनीति गरमाने लगी है। चुनावी बिगुल अभी आधिकारिक रूप से नहीं बजी है लेकिन सियासी हलचल तेज हो चुकी है। जंगलमहल की धरती पर झारखण्ड लोकतान्त्रिक क्रन्तिकारी मोर्चा के प्रति लोगों का रुझान व जेएलकेएम के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो की सभा में लोगों की उमड़ रही भीड़ बंगाल की तमाम राजनीतिक पार्टी का सिरदर्द बन गयी है। बंगाल के चुनाव प्रभारी राजू महतो लगातार गोपनीय बैठक कर चुनावी रणनीति की बारीकियों पर चर्चा कर रहे है।और इसी के आलोक में बुधवार को झालदा अस्पताल मोड़ में आधिकारिक रूप से झारखण्ड लोकतान्त्रिक क्रन्तिकारी मोर्चा पार्टी के नए कार्यालय का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के मौके पर पश्चिम बंगाल पर्यवेक्षक राजू महतो,

जिला अध्यक्ष गोपाल महतो, जिला उपाध्यक्ष चीकू महतो, सजल महतो, मनोज महतो, गौर महतो, राहुल, सूरज, अबोध महतो सहित जिला एवं ब्लॉक नेतृत्व तथा सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने कहा जेएलकेएम एक व्यक्ति की पार्टी नहीं, बल्कि गरीब, किसान, मजदूर, छात्र और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई का मंच है।

पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

पुलिस टीम और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा, जांच शुरू, ईमेल से दी ऑफिस को उड़ाने की धमकी

मेट्रो रेज

रांची : एक बार फिर राजधानी रांची को बम से दहलाने की धमकी मिलने से पुलिस और प्रशासन में हड़कंप मच गया है। इस बार रातू रोड स्थित गैलेक्सिया मॉल में चल रहे पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। अज्ञात अपराधियों ने ईमेल के जरिये धमकी भरा संदेश भेजा, जिसमें पासपोर्ट कार्यालय को भी बम से उड़ाने की बात कही गई है। धमकी भरा मेल मिलने के बाद पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस टीम और बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) मौके पर पहुंचऔर पूरे परिसर की जांच शुरू कर दी।

हर कोने की ली गई तलाशी

पुलिस और बीडीएस टीम ने पासपोर्ट ऑफिस के अंदर और आसपास के पूरे इलाके की बारीकी से जांच की। मॉल परिसर के अलग-अलग हिस्सों में भी तलाशी अभियान चलाया गया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ समय के लिए इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई। हालांकि कई घंटों तक चली जांच के दौरान कहीं से भी कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई। इसके बाद पुलिस ने कुछ राहत की सांस ली, लेकिन मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच जारी रखी गई है।

ईमेल भेजने वाले की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस अब उस ईमेल की तकनीकी जांच कर रही है, जिसके जरिए धमकी दी गई थी। साइबर टीम की मदद से मेल भेजने वाले व्यक्ति का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस मामले में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

पिछले सप्ताह सिविल कोर्ट को भी मिली थी धमकी

मालूम हो कि इससे पहले पिछले सप्ताह भी रांची में इसी तरह की धमकी सामने आई थी। उस समय रांची सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। अज्ञात व्यक्ति ने ईमेल भेजकर आरडीएक्स से विस्फोट करने की बात कही थी। उस घटना के बाद भी पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया था और कोर्ट परिसर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया था। हालांकि वहां भी कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी। लगातार मिल रही धमकियों के बाद रांची में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं और संवेदनशील स्थानों की निगरानी बढ़ा दी गई है।

रांची में होली और रमजान का संगम : भाईचारे की मिसाल बना शहर

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड की राजधानी रांची में इस वर्ष होली और रमजान के पावन अवसर का अनोखा संगम देखने को मिला। एक ओर मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के 14वें रोजे के साथ इबादत में लीन रहे, तो दूसरी ओर हिन्दू समाज ने रंगों का पर्व होली पूरे हर्षोल्लास और परंपरागत उल्लास के साथ मनाया। इस दौरान शहर में आपसी सौहार्द, भाईचारे और सामाजिक समरसता की सुंदर झलक देखने को मिली। शहर के विभिन्न मोहल्लों और इलाकों में दोनों समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए अपने-अपने त्योहार मनाए। होली खेलने वाले युवाओं और बच्चों ने जहां उत्साह के साथ रंग-गुलाल उड़ाए, वहीं रोजेदारों ने संयम, अनुशासन और श्रद्धा का परिचय दिया। खास बात यह रही कि दोनों समुदायों ने एक-दूसरे की आस्था का ख्याल रखते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखा। स्थानीय लोगों का कहना है कि रांची की पहचान ही इसकी गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी मेल-मिलाप में है। यहां हर धर्म और वर्ग के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में सहभागी बनते हैं और खुशी बांटते हैं। यही कारण है कि हर साल इस तरह के अवसर शहर की सामाजिक एकता को और मजबूत करते हैं। प्रशासन की सतर्कता और नागरिकों की समझदारी के चलते पूरे शहर में शांति और व्यवस्था बनी रही। कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली, जो यह दशार्ता है कि रांची के लोग आपसी भाईचारे और सौहार्द को सर्वोपरि मानते हैं। इस तरह होली और रमजान के इस संगम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि विविधता में एकता ही भारतीय समाज की सबसे बड़ी ताकत है, और रांची इसकी जीवंत मिसाल है।

हर्षोल्लास से मना रंगों का त्योहार होली, खूब उड़े गुलाल

रांची: जिले के रातू थाना अंतर्गत सिमलिया क्षेत्र में रंगों का पर्व होली बुधवार को हर्षोल्लास एवं आपसी भाईचारे के साथ सौहार्द वातावरण में मनाया गया। सुबह से हीं मोहल्ले में लोगों के बीच होली का उत्साह देखने को मिला। वहीं संध्या बेला में सिमलिया के नयाटोली में अवस्थित शिव पार्वती एवं वीर हनुमान जी के मंदिर में भक्ति भाव से संध्या आरती के पश्चात महिला, पुरुष, बच्चे एवं युवाओं ने एक दूसरे को जमकर अबीरझ्र गुलाल लगाकर पर्व की खुशियां साझा की। खासकर महिलाओं में गजब का उत्साह देखने को मिला। महिलाओं की टोली अपने मोहल्ले के लोगों के साथ जमकर रंगझ्र गुलाल उडाते हुए होली खेलते नजर आए। वहीं बच्चों में भी होली को लेकर काफी उमंग और उत्साह देखने को मिली। महिलाएं एवं पुरुषों ने पारंपरिक तरीके से एक दूसरे को रंगझ्र गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। पूरे मोहल्ले में आपसी प्रेम झ्रसौहार्द और भाईचारे का माहौल बना रहा। उक्त उत्सव में अमित कुमार सिंह, धनंजय कुमार सिंह, सुनील सिंह, टिंकू तिवारी, उमा तिवारी, पूनम सिंह, पूजा सिंह, निशी सिंह, अमित लहरी, रूपा सिंह, प्रेमलता सिंह सहित कई अन्य लोग शामिल रहे।

खूंटी में बच्चा चोरी के शक में युवक की पिटाई, पुलिस ने बचाई जान

संवाददाता

खूंटी: बच्चा चोरी के अफवाह का एक और शख्स शिकार बना है। खूंटी के रनिया थाना क्षेत्र स्थित सोदे गांव में एक युवक को बच्चा चोरी के शक में पेड़ से बांध दिया गया । उसके बाद ग्रामीणों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह युवक को भीड़ से छुड़ाकर उसकी जान बचाई और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

संदिग्ध हालत में बच्चे के साथ जा रहा था युवकः मिली जानकारी के अनुसार, रनिया निवासी लच्छू कुमार सोदे गांव के एक नौ वर्षीय बच्चे को अपने साथ लेकर कोयल नदी की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि उस समय युवक नशे की हालत में था। गांव के कुछ लोगों की नजर उस पर पड़ी तो उन्हें स्थिति संदिग्ध लगी। ग्रामीणों को लगा कि युवक बच्चे को बहला-फुसलाकर कहीं ले जा रहा है। इसी शक के आधार पर गांव में बच्चा चोरी की आशंका की खबर तेजी से फैल गई। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गये।

बच्चा चोरी की आशंका से गुस्साए ग्रामीणों ने युवक को पकड़ लिया। इसके बाद उसे पास के एक पेड़ से रस्सी के सहारे बांध दिया गया। बताया जाता है कि आक्रोशित लोगों ने युवक की जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान युवक खुद को निर्दोष बताता रहा, लेकिन भीड़ के गुस्से के सामने उसकी एक नहीं सुनी गई। घटना के दौरान गांव में अफरातफरी का माहौल बन गया। कुछ लोगों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत इसकी सूचना रनिया थाना पुलिस को दे दी।

घटना की जानकारी मिलते ही रनिया थाना पुलिस तुरंत हरकत में आई। पुलिस टीम सोदे गांव पहुंची और ग्रामीणों को समझाकर युवक को भीड़ के कब्जे से छुड़ाया। पुलिस ने युवक को अपने साथ थाना ले लिया। इस दौरान युवक बुरी तरह घायल हो चुका था। उसके शरीर पर मारपीट के कई निशान थे। पुलिस ने तुरंत मानवीय पहल करते हुए उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रनिया पहुंचाया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने घायल युवक का प्राथमिक उपचार किया। पुलिस की निगरानी में उसका इलाज कराया गया। फिलहाल युवक की हालत स्थिर बताई जा रही है। इलाज के बाद पुलिस उसे थाने ले आई और मामले की विस्तृत पूछताछ शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने बच्चा चोरी की घटना को बेबुनियाद बताया है। पुलिस का कहना है कि अभी तक ऐसी कोई ठोस बात सामने नहीं आई है जिससे बच्चा चोरी की पुष्टि हो सके। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और कानून को अपने हाथ में न लें। यदि कहीं भी संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अफवाह फैलाने या भीड़ हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

आज से बदलेगा मौसम का मिजाज

छायेंगे आंशिक बादल, 7-10 मार्च तक गरज के साथ बारिश की संभावना

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची समेत आसपास के जिलों में एक बार फिर मौसम बदलने के संकेत मिले हैं। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों में राज्य के कई हिस्सों में बादल छाने के साथ हल्की बारिश और मेघगर्जन हो सकती है।

गरज के साथ हल्की बारिश हो सकतीः मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने गुरुवार को जारी पूवार्नुमान में बताया कि 7, 8 और 9 मार्च को राज्य के अलग-अलग इलाकों में मौसम का मिजाज बदल सकता है और कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। 7 मार्च को राज्य के दक्षिणी हिस्सों जैसे पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां के कुछ इलाकों में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं और गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इसके साथ ही उत्तर-पूर्वी जिलों जैसे देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, साहिबगंज, जामताड़ा और गिरिडीह में भी ऐसा ही मौसम रह सकता है।

तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरीः मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पूर्वी जिलों में यह स्थिति 8 मार्च को भी बनी रह सकती है। वहीं 9 मार्च को राज्य के मध्य हिस्सों जैसे रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, खूंटी, बोकारो, कोडरमा, लोहरदगा और धनबाद में भी आंशिक बादल और गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद के मुताबिक 6 मार्च को राजधानी समेत पूरे राज्य में मौसम साफ और शुष्क रहेगा। 6 और 7 मार्च तक अधिकतम तापमान में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है। हालांकि 8 से 10 मार्च के बीच तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है।

मौसम विभाग ने लोगों को दी सलाह : पिछले 24 घंटों की बात करें तो पूरे राज्य में मौसम शुष्क रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान चाईबासा में 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में 11.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। वहीं राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में हल्की हवा चलने से मौसम सामान्य रहा, लेकिन शाम होते ही ठंड का अहसास बढ़ गया। दिन में हल्की गर्मी और शाम में ठंड के इस बदलते मौसम को देखते हुए मौसम विभाग ने लोगों को सेहत का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है।

उपमहापौर पद की दौड़ में वार्ड 22 के पार्षद मो. असलम सबसे आगे

गुलाम शाहिद

रांची: रांची नगर निगम में मेयर चुनाव के बाद अब उपमहापौर पद को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच वार्ड 22 के नवनिर्वाचित पार्षद मोहम्मद असलम को उपमहापौर पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। नगर निगम के 53 वार्डों के चुनाव परिणामों पर नजर डालें तो यह साफ संकेत मिलता है कि मोहम्मद असलम को जनता का व्यापक समर्थन मिला है।

नगर निगम चुनाव में मोहम्मद असलम ने पूरे 53 वार्डों में सबसे अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज की है। उनकी इस बड़ी जीत को शहर की जनता के बीच उनकी लोकप्रियता और मजबूत जनाधार के रूप में देखा जा रहा है। यही वजह है कि रांची की जनता उन्हें उपमहापौर पद के लिए पहली पसंद के रूप में देख रही है।

राजनीतिक गलियारों में भी मोहम्मद असलम के नाम की चर्चा तेज हो गई है। विभिन्न दलों के पार्षदों के बीच भी उनके नाम को लेकर मंथन चल रहा है। माना जा रहा है कि नगर निगम के भीतर बन रहे नए समीकरणों के बीच मोहम्मद असलम उपमहापौर पद के लिए एक मजबूत उम्मीदवार के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

शहर के कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जिस तरह से मोहम्मद असलम को भारी मतों से जीत मिली है, वह उनकी लोकप्रियता और जनता के विश्वास को दशार्ता है।

ऐसे में उपमहापौर पद की दौड़ में उनका नाम स्वाभाविक रूप से चर्चा में बना हुआ है।

झारखंड के जनजातीय विरासत का होगा डिजिटलीकरण

बीआईटी मेसरा में आज से तीन दिवसीय एआई नेशनल कार्यशाला

संवाददाता

रांची: झारखंड की जनजातीय विरासत और डिजिटल नवाचार पर बीआईटी मेसरा 6 मार्च से तीन दिनों तक नेशनल कॉफ्रेंस आयोजित करने जा रही है। बीआईटी मेसरा में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में कला, संस्कृति, आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और सतत उद्यमिता पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित होगी । यह वर्कशॉप 6 मार्च से 8 मार्च तक होगी. 'रूट्स टू रेनैसांः झारखंड की जनजातीय विरासत, नवाचार और डिजिटल उद्यमिता का समंवय' शीर्षक से आयोजित किया जाएगा. इस कार्यक्रम को बीआईटी मेसरा के प्रबंधन अध्ययन विभाग और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है ।

पर्यटन विभाग के द्वारा किया जा रहा है आयोजितः कार्यक्रम झारखंड सरकार के पर्यटन, कला एवं संस्कृति निदेशालय के सहयोग से आयोजित हो रहे हैं । तीन दिवसीय इस कार्यशाला में झारखंड की जनजातीय विरासत और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा । जिसमें विभिन्न विद्वान, नीति-निर्माता, सांस्कृतिक कार्यकर्ता और उद्यमी भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान यह चर्चा की जाएगी कि मौखिक कहानी कहने की परंपरा और हस्तशिल्प जैसी पारंपरिक सांस्कृतिक धरोहरों को डिजिटल माध्यमों की सहायता से किस प्रकार दर्ज, डिजिटल रूप में सुरक्षित और संरक्षित किया जा सकता है। डिजिटल उपकरणों की मदद से पारंपरिक संगीत का दस्तावेजीकरण पर जोरःइस राष्ट्रीय कार्यशाला में बीआईटी के कुलपति प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना और झारखंड सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग के निदेशक आसिफ एकराम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे. उद्घाटन सत्र को प्रबंधन अध्ययन विभाग के अध्यक्ष संजय कुमार झा भी संबोधित करेंगे. बीआईटी से मिली जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में झारखंड की जनजातीय विरासत पर केंद्रित सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी आयोजित किए जाएंगे. विभिन्न सत्रों में आयोजित इस कार्यशाला में यह बताया जाएगा कि डिजिटल उपकरणों की मदद से लोककथाओं, बोलियों और पारंपरिक संगीत का दस्तावेजीकरण कैसे किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंतर्गत पारंपरिक मिट्टी के बर्तन बनाने की कला का प्रदर्शन, मोटे अनाज आधारित पारंपरिक खाद्य प्रणालियों पर चर्चा और मौखिक इतिहास को सुरक्षित रखने पर कार्यशालाएं भी आयोजित होंगी. इस अवसर पर झारखंड की सांस्कृतिक छटा भी बिखरेगी. छऊ नृत्य, पैका नृत्य और विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न प्रस्तुति कार्यक्रम का शोभा बढ़ाने का काम करेगा।

दो मार्च से लापता व्यक्ति का अबतक नहीं मिला सुराग

रांची: कांके थाना क्षेत्र से एक व्यक्ति के लापता होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार आरा (बिहार) निवासी राजीव कुमार (45 वर्ष), पिता स्वर्गीय योगेश्वर प्रसाद, 2 मार्च 2026 की सुबह करीब 7 बजे रिनपास हॉस्पिटल, कांके से अचानक लापता हो गए। घटना के बाद से उनके परिजन और पुलिस उनकी तलाश में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि लापता व्यक्ति का रंग गोरा है और उनकी लंबाई लगभग 5 फीट 6 इंच है। लापता होने के समय उन्होंने ब्लू रंग का एडिडास का विंडचीटर पहन रखा था। काफी खोजबीन के बावजूद अब तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

इस संबंध में कांके थाना पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को राजीव कुमार के बारे में कोई भी जानकारी मिलती है तो तुरंत नीचे दिए गए नंबरों पर संपर्क करें, ताकि उन्हें सुरक्षित ढूंढने में मदद मिल सके।

संपर्क नंबरः 8084340208 (कांके थाना प्रभारी), 9334350399, 7493884543

पुलिस ने आम लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर तुरंत जानकारी दें।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 79 / 2025-26

1 विज्ञापन दाता का नाम – कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
2 परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय – 16-03-2026 को अप0 12.00 बजे तक।
3 निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – 17-03-2026 के अप0 2.30 बजे तक।
4 निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 17-03-2026 के अप0 3.00 बजे से।
5 परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान & (i) अधीक्षण अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं–2, राँची का कार्यालय। (ii) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल सिमडेगा।
6 निविदा प्राप्ति का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
7 कार्य विवरणी :–

Sl. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Cost	Time Of Completion
1	Renovation and Raising of Boundary Wall in Agra Pariyogna Kendra, Simdega.	8,95,950.00	18,000.00	1,250.00	02 (Two) Months

निविदा की शर्तें– WWW.jharkhand.gov.inएवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
PR 374127 Simdega(25-26)D

Office of Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division, Ramgarh
Very Short Tender e- Procurement Notice
E-Tender reference no- DWSD/RGH/Spare_Parts 21/2025-26 Date- 05.03.2026

Sl. No	Particulars	Details
1	Name of Work-	Supply of Spare parts of deep well hand pump India Mark-II Conforming to I.S: 9301-1990 with latest amendment (may be read along with 1st amendment IS: 15500 (Part 1-7) 2004 with latest amendment for spares of India Mark- II respectively) under D.W.& S. Division, Ramgarh for the year 2025-26

Estimated Cost (in Rs.)	E. M. Required (in Rs.)	Cost of BOQ (in Rs.)	Time of Completion
Rs. 14,36,300/-	Rs 72,000/-	Rs. 2,500/-	20.03.2026

Sl. No	Particulars	Details
2	Date of Tender uploading in website	Date:- 09.03.2026 at 03.00 PM
3	Last date receipt of Bid (online)	Date:- 15.03.2026 up to 03.00 PM
4	Cost of tender Paper and Earnest Money Deposit on Submission of bids (if applicable) as per mentioned in Annexure -1 vide letter No. 120 dt. 03.10.2023 by secretary department of information technology and e Governance Government of Jharkhand	Date:- 16.03.2026 up to 04.00 PM
5	Date and time of opening tender	Date:- 17.03.2026 at 04:00 PM
6	Name and address of office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Ramgarh
7	Name and address of tender opening officer	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Ramgarh
8	Contact no of e-procurement office	06553-223193
9	Helpline No. of e-procurement cell	0651-2480345

Further details can be seen on website- http://jharkhandtenders.gov.in
Executive Engineer
D.W. & S. Division, Ramgarh
PR 374170 Drinking Water and Sanitation (25-26)_D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

युद्ध लंबा खिंचा तो तेल व गैस के कीमतों में होगी वैश्विक बढ़ोत्तरी

ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल के हमले के बाद पश्चिम एशिया में होर्मुज जल डमरूमध्य क्षेत्र एक बार फिर वैश्विक चिंता का केंद्र बन गया है। फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री रास्ता दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। किसी भी सैन्य टकराव की स्थिति में यहां मामूली रुकावट भी युद्ध के परिणाम और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल सकती है।

होर्मुज जल क्षेत्र दुनिया के सबसे रणनीतिक समुद्री मार्गों में गिना जाता है। अपने सबसे पतले हिस्से में यह लगभग 34 किलोमीटर चौड़ा है और इसी रास्ते से प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल गुजरता है जो वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का करीब 20झ25% यहीं से होता है। यह दुनिया के एलएनजी व्यापार का लगभग 20% इसी मार्ग पर निर्भर है और कुल वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 11% इस रास्ते से गुजरता है। इसके साथ ही एशिया के सबसे बड़े आयातक-चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया इस मार्ग पर विशेष रूप से निर्भर हैं।

होर्मुज क्षेत्र सिर्फ एक समुद्री रास्ता नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा संतुलन का केंद्र है। युद्ध की स्थिति में यहां थोड़ी सी बाधा भी तेल बाजार, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा बदल सकती है। यही कारण है कि दुनिया की निगाहें इस संकरे लेकिन निर्णायक जलमार्ग पर टिकी हुई हैं।इस क्षेत्र का उत्तरी तट ईरान के पास है, जबकि दक्षिणी किनारा ओमान के मुसंदम प्रायद्वीप से जुड़ा है। ईरान उत्तरी प्रवेश द्वार और कई रणनीतिक द्वीपों पर नियंत्रण रखता है, जिससे उसे समुद्री गतिविधियों पर प्रभाव डालने की सामरिक क्षमता मिलती है। साल 1980झ88 के ईरान-इराक युद्ध के दौरान ह्लटैंकर युद्धह्व ने इस मार्ग की संवेदनशीलता को उजागर किया था। तेल टैंकरों पर हमलों और समुद्री माइंस बिछाए जाने से वैश्विक ऊर्जा बाजार में घबराहट फैल गई थी और विदेशी नौसैनिक हस्तक्षेप बढ़ा था। हाल के वर्षों में भी प्रतिबंधों और क्षेत्रीय तनाव के दौरान जहाजों की जब्ती और चेतावनियों ने शिपिंग लागत और बीमा प्रीमियम को बढ़ा दिया हैं। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद अगर यह युद्ध लंबा खिंचता है तो वैश्विकस्तर पर इसके कई तात्कालिक प्रभाव दिखेंगे। जैसे कि तेल और गैस की कीमतों में उछाल। सप्लाई चेन में अस्थिरता। यहां जहाजों के रूट बदलने से देरी और बढ़ी हुई लागत वैश्विक व्यापार को प्रभावित करेंगी। आर्थिक दबाव, जो ऊर्जा आयातक देशों में महंगाई और औद्योगिक लागत बढ़ सकती है। इसके साथ ही सैन्य विस्तार का खतरा बना रहेगा जिससे समुद्री मार्ग की सुरक्षा के नाम पर बाहरी शक्तियों की मौजूदगी बढ़ जाएंगी और इससे टकराव और गहरा हो जाएगा।

इसके अलावा कुछ पाइपलाइन विकल्प मौजूद हैं, लेकिन वे होर्मुज से गुजरने वाले समुद्री तेल और गैस सप्लाई के लिए विकल्प के रूप में नहीं देख सकते हैं। इसलिए यह गलियारा वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए अपरिहार्य बना हुआ है। होर्मुज सिर्फ एक समुद्री रास्ता या ऊर्जा आपूर्ति का मार्ग नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा संतुलन का केंद्र है। युद्ध की स्थिति में यहां थोड़ी सी बाधा भी तेल बाजार, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा बदल सकती है। यही कारण है कि दुनिया की निगाहें इस संकरे लेकिन निर्णायक जलमार्ग पर टिकी हुई हैं। साथ ही यह भू-राजनीतितक शक्ति प्रदर्शन का केंद्र भी है। युद्ध की स्थिति में इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। इस क्षेत्र में ईरान की नौसैनिक रणनीति होर्मुज को अपने निरोधक सिद्धांत का मुख्य हिस्सा मानती है। ईरान ने इस समुद्री मार्ग पर तेज गश्ती नौकाएं, एंटी-शिप मिसाइलें, समुद्री माइंस और ड्रोन और तटीय रडार सिस्टम लगा रखे हैं। इन साधनों के जरिए ईरान पारंपरिक नौसैनिक ताकतों को चुनौती दे सकता है। यह असिमेट्रिक वॉरफेयर यानी असममित युद्ध मॉडल को दिखाता है जहां बड़े युद्धपोतों के खिलाफ छोटे लेकिन तेज और घातक हमलों पर आधारित है। दूसरी तरफ, संयुक्त राज्य अमेरिका लंबे समय से खाड़ी क्षेत्र में नौसैनिक मौजूदगी बनाए हुए है। अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बहरीन में तैनात है और उसका मुख्य उद्देश्य समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इन तनाव के बीच यदि गलियारे पर दबाव बढ़ता है तो मुमकिन है कि अमेरिका यहां अंतरराष्ट्रीय एस्कॉर्ट मिशन भी शुरू हो सकते हैं। इसके साथ ही मल्टीनेशनल टास्क फोर्स का गठन, ड्रोन और निगरानी गतिविधियां तेज होने के साथ ही इस टकराव का दायरा क्षेत्रीय से वैश्विक बन सकता है। होर्मुज में बाधा का असर केवल तेल तक सीमित नहीं रहता। कच्चे तेल की कीमतों में अचानक उछाल, एलएनजी आपूर्ति में कमी से यूरोप और एशिया में ऊर्जा संकट, शेयर बाजारों में गिरावट, महंगाई दर में वृद्धि, शिपिंग और बीमा लागत में भारी बढ़ोतरी और ऊर्जा कीमतें बढ़ने से विकासशील देशों पर सबसे अधिक दबाव पड़ेगा।

इन सबके बीच एशियाई देश चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी पर काफी निर्भर हैं। चिंता का विषय यह है कि इससे यदि आपूर्ति बाधित होती है तो रणनीतिक तेल भंडार का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। वैकल्पिक स्त्रोत तलाशना होगा, साथ ही ऊर्जा सुरक्षा को लेकर दीर्घकालिक नीतिगत बदलाव करने पड़ेंगे। अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के तहत होर्मुज को अंतरराष्ट्रीय स्ट्रेट माना जाता है। वैसे तो किसी भी देश को इसे पूरी तरह बंद करने का अधिकार नहीं है लेकिन वर्तमान हालात पर नजर डालें तो सुरक्षा कारणों से प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, जहाजों की तलाशी या रोक-टोक बढ़ सकती है तथा गलत आकलन से बड़ा सैन्य टकराव हो सकता है। होर्मुज क्षेत्र केवल एक भौगोलिक मार्ग नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का संवेदनशील बिंदु है। यहां की अस्थिरता युद्ध को केवल सैन्य टकराव नहीं रहने देती, बल्कि उसे आर्थिक, कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर बहुआयामी संघर्ष में बदल देगी।

वैश्विक राजनीति में नैतिकता, हस्तक्षेप और उत्तरदायित्व का सवाल

विश्व राजनीति ने एक नया रूप धारण किया। एक ओर संयुक्त राज्य अमेरिका था और दूसरी ओर सोवियत संघ। वैचारिक संघर्ष ने संसार को दो गुटों में विभाजित कर दिया। इसी पृष्ठभूमि में 1950 से 1953 तक चला कोरियाई युद्ध केवल कोरिया की भूमि का संघर्ष नहीं था बल्कि दो विचारधाराओं की टकराहट था।

- डॉ. प्रियंका सौरभ

बीसवीं सदी का मध्य मानव इतिहास का निर्णायक मोड़ था। जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने अगस्त 1945 में जापान के नगर हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए, तब केवल दो नगर नष्ट नहीं हुए बल्कि पूरी मानव सभ्यता ने अपनी ही निर्मित विनाशकारी शक्ति का भयावह स्वरूप देखा। लाखों लोग तत्काल मारे गए और असंख्य लोग विकिरण के दीर्घकालिक प्रभाव से वर्षों तक पीड़ित रहे। इस घटना ने द्वितीय विश्वयुद्ध को समाप्त करने में भूमिका निभाई, किंतु यह प्रश्न भी छोड़ गई कि क्या किसी भी परिस्थिति में इतना व्यापक संहार उचित ठहराया जा सकता है।

इसके बाद विश्व राजनीति ने एक नया रूप धारण किया। एक ओर संयुक्त राज्य अमेरिका था और दूसरी ओर सोवियत संघ। वैचारिक संघर्ष ने संसार को दो गुटों में विभाजित कर दिया। इसी पृष्ठभूमि में 1950 से 1953 तक चला कोरियाई युद्ध केवल कोरिया की भूमि का संघर्ष नहीं था बल्कि दो विचारधाराओं की टकराहट था। इस युद्ध ने कोरियाई प्रायद्वीप को स्थायी रूप से दो भागों में बाँट दिया और असंख्य परिवारों को पीड़ा दी।

इसके कुछ वर्षों बाद 1955 से 1975 तक चला वियतनाम युद्ध विश्व इतिहास के अत्यंत विवादास्पद संघर्षों में गिना जाता है। व्यापक बमवर्षा, रासायनिक पदार्थों का प्रयोग और ग्रामीण अंचलों का विध्वंस इस युद्ध की पहचान बन गए। इस संघर्ष ने न केवल वियतनाम को गहरी क्षति पहुँचाई, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर भी व्यापक जनविरोध और नैतिक मंथन को जन्म दिया।

इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ में 2003 में आरंभ हुआ इराक युद्ध इस तर्क के साथ प्रारंभ किया गया कि वहाँ व्यापक विनाश के हथियार मौजूद हैं और विश्व सुरक्षा को गंभीर खतरा है। किंतु समय के साथ ऐसे हथियारों के स्पष्ट प्रमाण सामने नहीं आए। परिणामस्वरूप इराक की राजनीतिक संरचना अस्थिर हो गई, सांप्रदायिक हिंसा में वृद्धि हुई और पूरे क्षेत्र में असुरक्षा का वातावरण फैल गया।

2001 से 2021 तक चला अफगानिस्तान का युद्ध आतंकवाद के विरुद्ध अभियान के रूप में प्रारंभ हुआ। उद्देश्य था उन शक्तियों को समाप्त करना जिन्हें वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा माना गया। परंतु दो दशकों के लंबे संघर्ष, भारी आर्थिक व्यय और असंख्य जनहानि के उपरांत भी स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकी। अंततः विदेशी सेनाओं की वापसी के बाद वही संगठन पुनः सत्ता में आ गया जिसे हटाने के लिए यह अभियान आरंभ किया गया था।

मध्य और पश्चिम एशिया में उभरे आतंकी संगठन केवल किसी एक राष्ट्र की नीतियों का परिणाम नहीं थे। उनके उदय के पीछे क्षेत्रीय अस्थिरता, धार्मिक कट्टरता, आर्थिक विषमता, बाहरी हस्तक्षेप और सत्ता का रिक्त स्थान जैसे अनेक कारण रहे। फिर भी यह धारणा व्यापक है कि महाशक्तियों की नीतियों और युद्धों ने ऐसी परिस्थितियाँ निर्मित कीं जिनमें इन्हें पनपने का अवसर मिला।

लैटिन अमेरिका के अनेक देशों में भी बीसवीं सदी के दौरान राजनीतिक उथल-पुथल देखी गई। विभिन्न समयों पर बाहरी प्रभावों और गुप्त हस्तक्षेपों के आरोप लगे। कुछ स्थानों पर सैन्य शासन स्थापित हुए, तो कहीं लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ कमजोर पड़ीं। इन घटनाओं ने यह धारणा सुदृढ़ की कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आदर्शों की अपेक्षा सामरिक और आर्थिक हितों को अधिक प्राथमिकता दी जाती है।

तेल, प्राकृतिक संसाधन, व्यापार मार्ग और सामरिक ठिकाने आधुनिक विश्व व्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। आलोचकों का मत है कि कई बार जनतंत्र, मानवाधिकार और शांति की भाषा इन हितों को वैध ठहराने का माध्यम बन जाती है। समर्थकों का तर्क है कि वैश्विक सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और सहयोगी राष्ट्रों की रक्षा भी समान रूप से आवश्यक चिंताएँ हैं।

सत्य संभवतः इन दोनों दृष्टिकोणों के मध्य स्थित है। किसी भी राष्ट्र की विदेश नीति पूर्णतः नैतिक या पूर्णतः स्वार्थप्रधान नहीं होती; वह परिस्थितियों, आशंकाओं, अवसरों और रणनीतिक विचारों का सम्मिलित परिणाम होती है। फिर भी यह प्रश्न बार-बार उभरता है कि क्या राष्ट्रीय हित की रक्षा के नाम पर व्यापक जनसंहार और दीर्घकालिक अस्थिरता को स्वीकार किया जा सकता है।

जनतंत्र और मानवाधिकार केवल औपचारिक शब्द नहीं होने चाहिए, बल्कि वे ऐसे सार्वभौमिक मूल्य बनें जिनका पालन मित्र और विरोधी- दोनों के प्रति समान रूप से किया जाए। यदि शक्ति का प्रयोग चयनात्मक नैतिकता के आधार पर किया जाएगा, तो विश्व समुदाय में अविश्वास, असंतोष और वैमनस्य की भावना प्रबल होगी।

इतिहास यह शिक्षा देता है कि सैन्य विजय स्थायी समाधान प्रदान नहीं करती। स्थायी शांति संवाद, सहयोग, आर्थिक न्याय और सांस्कृतिक सम्मान से ही संभव होती है। किसी भी महाशक्ति की वास्तविक परीक्षा रणभूमि में नहीं बल्कि इस तथ्य में निहित है कि वह अपनी शक्ति का उपयोग कितनी जिम्मेदारी, पारदर्शिता और मानवीय संवेदनशीलता के साथ करती है।

आज का विश्व संघर्षों, प्रतिस्पर्धा और असुरक्षा से घिरा हुआ है। ऐसे समय में आवश्यक है कि अतीत की त्रासदियों से सीख लेकर भविष्य की नीतियों का निर्माण किया जाए। यदि मानव जीवन को सर्वोच्च मूल्य माना जाए और शक्ति को उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तभी एक अधिक न्यायपूर्ण, संतुलित और शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था की कल्पना साकार हो सकती है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पाकिस्तान, तुर्की और ईरान में चरमपंथ की उत्पत्ति और परिणाम

ईरान, पाकिस्तान और तुर्की द्वारा चरमपंथी धार्मिक कल्पनाएं दुनिया भर में उथल-पुथल का मुख्य कारण हैं। ये तीन देश युवा लोगों, आतंकवाद और विरोधी मान्यवादी लक्ष्यों के साथ हानिकारक विचारधाराओं को लागू करने के लिए अन्य देशों और धर्मों को खत्म करने के प्रयासों के बीच चरम इस्लाम के प्रसार के लिए ज़िम्मेदार हैं।

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

ईरान, इजराइल, संयुक्त राज्य अमेरिका, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के वर्तमान अशांति के अंतर्निहित कारणों और संभावित परिणामों की पूरी तरह से जांच और विश्लेषण आवश्यक है। मध्य पूर्व में इस्लामी देशों पर खमेनीई की हत्या और ईरान के हमले के प्रकाश में आतंकवाद, कट्टरपंथ और चरमपंथ को समझना महत्वपूर्ण है। जब किसी देश में अत्यधिक मजहबी चरमपंथ और ताकतवर बनने और दूसरों का दुरुपयोग करने की लालची और स्वार्थी इच्छा जागृत होती है, तो यह दुनिया को यह विचारधारा खतरे में डालती है। इसी वजह से, लाखों लोगों की मृत्यु हो गई, प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया गया, आतंकवाद, नक्सलवाद, और युद्धों ने कई अर्थव्यवस्थाओं, समाजों और पर्यावरण को तबाह कर दिया। भविष्य में बढ़ने से रोकने के लिए, हमें अंतर्निहित कारण की पहचान करनी चाहिए और उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

ईरान, पाकिस्तान और तुर्की द्वारा चरमपंथी धार्मिक कल्पनाएं दुनिया भर में उथल-पुथल का मुख्य कारण हैं। ये तीन देश युवा लोगों, आतंकवाद और विरोधी मान्यवादी लक्ष्यों के साथ हानिकारक विचारधाराओं को लागू करने के लिए अन्य देशों और धर्मों को खत्म करने के प्रयासों के बीच चरम इस्लाम के प्रसार के लिए ज़िम्मेदार हैं। यहां तक कि यदि ईरान, पाकिस्तान और तुर्की कई विषयों पर असहमत हैं लेकिन वे गैर-इस्लामी देशों में शरिया, उम्मा और इस्लामी चरमपंथ को लागू करने की अपनी इच्छा के बारे में बहुत स्पष्ट हैं। इस उद्देश्य के लिए वे आवश्यकतानुसार चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के साथ सहयोग करते हैं। ये देश सीरिया, इराक, यमन, रूस, इजराइल, भारत, चीन, कई यूरोपीय राष्ट्रों और संयुक्त राज्य अमेरिका में आतंकवाद के लिए ज़िम्मेदार हैं। लाखों निर्दोष लोगों को आतंकवादी समूहों द्वारा आतंकवादी समूहों, जैश-ए-मोहम्मद, अलकायदा, लश्कर-ए-ताइबा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और कई आतंकवादी संगठन समय के साथ उभरे। लाखों लोग, महिलाएं और बच्चे इनकी बर्बरता का निशाना बने।आतंकवादी हिंसा के अधिकांश पीड़ित सामान्य नागरिक हैं। यह उन्हें अपने दैनिक अस्तित्व के बीच में पाता है, एक ऐसी जगह पर जहां किसी को भी अपनी सुरक्षा के लिए अनावश्यक तरीके सें सचेत नहीं होना चाहिए, किसी भी समय, कहीं भी। आतंकवादी और उनके आकाओं द्वारा निरंतर भेद्यता की एक असहनीय भावना सामने आई है। शांति कुछ दिनों, हफ्तों या यहां तक कि लंबे समय तक युद्ध की तरह दिखाई दे सकती है। अंतरराज्यीय हिंसा में कमी के तार्किक परिणाम के रूप में, लोकतांत्रिक दुनिया के लोगों को आतंकवादी हमलों से अधिक आघात होता है क्योंकि उन्हें अंतःस्थापित संस्कृति विरासत में मिली है। हालांकि, लोकतंत्र स्वतंत्रता और मानवाधिकारों पर स्थापित एक नरम राजनीतिक व्यवस्था है, वे भी अधिक शक्तिहीन हैं।

पाकिस्तान, ईरान और तुर्की ने कश्मीर घाटी में युवाओं को कट्टरपंथी बनाकर हजारों नागरिकों, पुलिस और सैन्य कर्मियों की हत्या की। कई कश्मीरी हिंदुओं की हत्या कर दी गई, यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार किया गया, इस्लाम में परिवर्तित किया गया और अकेले 1990 में अपने घरों और संपत्तियों से भागने के लिए मजबूर किया, जो उनके जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी बनी। मानवीय अंतरराष्ट्रीय नेताओं को इन कट्टरपंथी, चरमपंथी और आतंकवादी निर्माण राष्ट्रों को एक सबक सिखाया जाना चाहिए। नीचे दी गई रिपोर्ट यह दर्शाती है कि इन कट्टरपंथियों ने नरसंहार और युद्धों के अलावा मानवता के लिए खतरा पैदा किया। इन्होंने दुनिया भर में आतंकवाद फैलाया, इस्लामी देशों में भी जहां हजारों मुस्लिम मारे गए हैं। यह आंकड़ा मुख्य रूप से हिंसा और युद्ध पीड़ितों की बजाय आतंकवादी हमलों की चिंता करता है, भले ही संख्या विभिन्न कारणों से वास्तविक संख्याओं से कम है।

डोमिनिक रेनी (निदेशक), फाउंडेशन फॉर द इनोवेशन ऑफ पॉलिटिकल, अक्टूबर 2024 की रिपोर्ट

1979-2024: विश्व में इस्लामी आतंकवादी हमले के अनुसार, 1979 और अप्रैल 2024 के बीच, विश्वभर में 66,872 इस्लामी हमले दर्ज किए। इन हमलों में कम से कम 249,941 लोगों की मौत हुई। इस्लामी आतंकवादियों का मुख्य निशाना सेना (34%) है, जो नागरिकों (27.7%) और पुलिस बलों (15.3%) से आगे है।

1979-2000: सेना (343 हमले, 15.6%), नागरिक (530 हमले, 24.1%), पुलिस बल (408 हमले, 18.6%)।

2001-2012: सेना (1,410 हमले, 17.1%), नागरिक (2,506 हमले, 30.3%), पुलिस बल (1,424 हमले, 17.2%)।

2013-अप्रैल 2024: सेना (20,556 हमले, 37.2%), नागरिक (15,111 हमले, 27.4%), पुलिस बल (8,217 हमले, 14.9%)।

यह ध्यान देने योग्य है कि ये आंकड़े वास्तविकता को कम करके आंकते हैं क्योंकि इनमें उन इस्लामी आतंकवादी हमलों को शामिल नहीं किया गया है जो गैर-मुस्लिम बहुसंख्यक देशों में हुए हैं जहां मुस्लिम आबादी कुछ प्रांतों में केंद्रित है। उदाहरण के लिए, दक्षिणी थाईलैंड में, जहां सतून, याला, पट्टानी और नाराथिवत प्रांतों में मुस्लिम बहुसंख्यक हैं, फिलीपींस में मिंडानाओ क्षेत्र में, भारत में जम्मू और कश्मीर प्रांत में, और चीन में उइघुर स्वायत्त क्षेत्र शिनजियांग में भी यही स्थिति है।

1990 के दशक के मध्य से दृश्यता का दायरा अभूतपूर्व हो गया। डिजिटल सार्वजनिक क्षेत्र के कारण आतंकवादी कृत्यों का प्रभाव दस गुना बढ़ गया। वेब के निरंतर समाचार फीड के साथ एकीकरण ने इस्लामी हिंसा के दुष्परिणामों को और भी गंभीर बना दिया। 1996 में शुरू हुआ अलजजीरा कतर का एक चैनल है जो लगभग 30 देशों में प्रसारित होता है और कुछ भाषाओं में सूचनात्मक वेबसाइटें बनाता है जो दुनिया भर के अधिकांश लोगों के लिए सुलभ हैं। इनमें से सबसे छोटे आतंकवादी संगठन भी संगठित होने, भर्ती करने, संवाद करने और दुष्प्रचार फैलाने के लिए सोशल मीडिया और अन्य सुरक्षित संदेश भेजने वाले ऐप्स का उपयोग कर सकते हैं। स्मार्टफोन इस श्रृंखला के अंत में स्थित व्यक्ति तक पहुंचता है, जिससे उन्हें सभी नेटवर्क तक पहुंच और इन शक्तिशाली उपकरणों पर महारत हासिल करने की क्षमता मिलती है। पारंपरिक मीडिया - एजेंसियां, टेलीविजन, रेडियो और प्रेस - हमेशा हमलों को कवर करते हैं, लेकिन वे अब सूचना के प्राथमिक स्त्रोत नहीं रहे। उत्पादन संबंधी जानकारी पूरी तरह से सार्वभौमिक सार्वजनिक मंच पर वितरित की जाती है। आज की जनसमूह पर अनेक मीडिया माध्यमों का प्रभाव है और वेब तथा स्मार्टफोन की बदौलत एक समाचार एजेंसी की ताकत है जिसके पास 28 लाख संवाददाता हैं। व्यक्तिगत मीडिया के इस युग में इस्लामी आतंकवाद फल-फूल रहा है। तस्वीरों की शक्ति, नेटवर्क की व्यापकता और एल्गोरिदम के हेरफेर के कारण कोई भी हमला मिनटों में पूरी दुनिया में फैल सकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एमपी के सलकनपुर में है चमत्कारी विजयासन धाम

हर साल बड़े उत्सव के रूप में नवरात्रि पर पर्व मनाया जाता है। इस दौरान हजारों की संख्या में भक्त मां दुर्गा के दर्शनों के लिए प्रसिद्ध मंदिरों में पहुंचते हैं। देश में मां दुर्गा के कई प्रसिद्ध औ? प्राचीन मंदिर हैं। जातक विशेष कार्यों में सिद्धि पाने के लिए मां दुर्गा की दस महाविद्याओं की देवी की पूजा करते हैं। ऐसे में अगर आप भी मां का आशीर्वाद और कृपा पाना चाहते हैं, तो आप विजयासन मंदिर की यात्रा कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको विजयासन मंदिर के बारे में विस्तार से जानकारी देने जा रहे हैं।

विजयासन मां की महिमा

विजयासन मां की महिला निराली है। वह अपने भक्तों पर विशेष ममतामयी कृपा बरसाती हैं। मां विजयासन की कृपा से जातक की हर मनोकामना पूरी होती है। विजयासन मां दुष्टों का संहार करती हैं। देश-दुनिया से भक्त मां के दर्शन के लिए आते हैं। नवरात्रि पर मंदिर में भव्य पूजा का आयोजन होता है।

जानिए कहां है विजयासन मंदिर

विजयासन मंदिर मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के सलकनपुर गांव की एक पहाड़ी पर स्थित है। पहाड़ के शीर्ष स्थल पर विजयासन मां विराजती हैं। मां के दर्शन के लिए श्रद्धालु सैकड़ों सीढ़ियां चढ़कर मां के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। नवरात्रि के दौरान विजयासन मंदिर के प्रांगण में मेले का आयोजन किया जाता है। हर साल बड़ी संख्या श्रद्धालु मां विजयासन के दर्शन के लिए सलकनपुर जाते हैं। माना जाता है कि विजयासन मंदिर में देवी मां के दर्शन से न सिर्फ मनोकामना पूरी होती है, बल्कि शत्रु भय से भी मुक्ति मिलती है।

ऐसे पहुंचे मंदिर

श्रद्धालु यातायात के साधनों से सीधे सीहोर पहुंच सकते हैं। सीहोर में रेलवे स्टेशन है। आप रेल से सीहोर पहुंचकर सड़क मार्ग से सलकनपुर जा सकते हैं। सीहोर का नजदीकी एयरपोर्ट भोपाल है। वहीं आप इंदौर होकर भी विजयासन मंदिर जा सकते हैं। आप देश के किसी भी कोने से सलकनपुर पहुंच सकते हैं।

टिप्स

आयुर्वेदिक का खजाना जावित्री

बिजी लाइफस्टाइल के चलते महिलाएं अपनी सेहत का ध्यान बिल्कुल भी नहीं रखती हैं। आयुर्वेद में कई ऐसी जड़ा-बूटियां बताई गई हैं, जो छोटी-छोटी हेल्थ प्रॉब्लम को नेचुरली ठीक करने में मदद करती है। इन्हीं में से एक है जावित्री, यह एक आयुर्वेदिक औषधि है, जो डाइजेशन सुधारने से लेकर तनाव को कम करता है और महिलाओं के हार्मोनल हेल्थ को बैलेंस रखने तक कई फायदे देती है। असल में जावित्री जायफल का बाहरी रेड-ऑरेंज कवर होता है, जिसमें कई पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट और एसेंशियल ऑयल पाए जाते हैं। सही मात्रा में इनका सेवन किया जाए, तो यह शरीर को अंदर से मजबूत बना देता है। इस लेख में हम आपको जावित्री से बनने वाली एक आसान और असरदार ड्रिंक और इसके हेल?थ बेनिफिट्स के बारे में बताएंगे।

जावित्री की ड्रिंक
-जरूरी सामग्री (1 कप के लिए)
-जावित्री- 1 छोटा टुकड़ा
पानी- 1 कप गुनगुना
शहद- 1/2 चम्मच (पानी हल्का ठंडा होने पर मिलाएं)
इलायची पाउडर- एक चुटकी (वैकल्पिक)

बनाने का तरीका
- सबसे पहले आप पानी को हल्का गर्म करें, लेकिन इसे उबालें नहीं।
- फिर इसमें जावित्री का छोटा टुकड़ा डालकर 5-7 मिनट के लिए ढक दें, जिससे अर्क पानी में अच्छे से घुल जाए।
- इसके बाद पानी को छान लें और जब यह गुनगुना रह जाए, तब इसमें शहद मिलाएं।
- इसको आप सुबह खाली पेट या रात के खाने में करीब 1 घंटे बाद पी सकती हैं।
- यह तरीका जावित्री के वोलेटाइल ऑयल्स को सुरक्षित रखता है, जिससे इसका औषधीय असर ज्यादा मिलता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी और क्षेत्र का समग्र विकास होगा : विधायक

संवाददाता

साहिबगंज : बोरियो में चार सड़कों का शिलान्यास, बीमार कार्यकर्ता का हालचाल भी जाना बोरियो प्रखण्ड में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत चार महत्वपूर्ण सड़कों का शिलान्यास किया गया।कार्यक्रम में बोरियो विधानसभा के विधायक धनंजय सोरेन ने इन सड़कों का शिलान्यास कर क्षेत्र के विकास को गति देने की बात कही।शिलान्यास की गई सड़कों में जेटके से कैरासोल भाया महाकुली तिलाटॉण्ड चलदोहा मोड़ से रामपुर भाया कुम्हारिया रोड बियाँसी से गमहारिया भाया बाथानी रोड तसर सेंटर से मुर्गाबनी भाया बड़ा पान्दन इस अवसर पर विधायक धनंजय सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क,शिक्षा,स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के माध्यम से गांवों को बेहतर सड़क सुविधा से जोड़ने का प्रयास

किया जा रहा है।जिससे लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी और क्षेत्र का समग्र विकास होगा।कार्यक्रम में झामुमो के बोरियो प्रखण्ड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू,उपाध्यक्ष मंडल मराण्डी, कोषाध्यक्ष निताई मंडल,पूर्व प्रखण्ड अध्यक्ष जेठा मराण्डी,मानवेल हांसदा, सुरेश मराण्डी,विजय मराण्डी,रमेश मुर्मू, पंचायत अध्यक्ष विश्वनाथ,सचिव अकबर अली,सुशील लुकस हांसदा, मण्डरो प्रखण्ड अध्यक्ष सुबोध हांसदा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।इस दौरान झामुमो के सक्रिय कार्यकर्ता लक्ष्मण बेसरा,जो पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे हैं,उनका हालचाल भी नेताओं ने जाना।इस अवसर पर विधायक धनंजय सोरेन,राजमहल के माननीय सांसद विजय हांसदा,जिला अध्यक्ष अरुण सिंह,जिला उपाध्यक्ष संजीव सामू हेम्ब्रम,केन्द्रीय समिति सदस्य बब्लू उर्फ संजय मिश्रा तथा बोरियो प्रखण्ड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू ने उनसे मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।नेताओं ने कहा कि संगठन अपने कार्यकताओं के सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ा रहता है।क्षेत्र के विकास के साथ-साथ कार्यकताओं का सम्मान और उनका हालचाल लेना भी संगठन की प्राथमिकता है।

'रेलवन क्रांति' के लिए पूर्व रेलवे के प्लेटफार्मों का कायाकल्प

संवाददाता

साहिबगंज : रेल यात्रा के डिजिटल परिवर्तन को गति देने के उद्देश्य से, पूर्व रेलवे 6 मार्च से 12 मार्च, 2026 तक पूरे जोन में एक विशाल सप्ताहव्यापी 'रेलवन ऐप इंस्टॉलेशन अभियान शुरू करने जा रहा है। इस पहल का लक्ष्य पारंपरिक यात्रा और स्मार्ट रेल प्रबंधन के बीच की दूरी को मिटाना है, ताकि 'रेलवन' इकोसिस्टम को सीधे प्लेटफार्मों तक पहुँचाया जा सके। स्काउट्स एवं गाइड्स के स्वयंसेवक और फील्ड स्टाफ सीधे लोगों से संपर्क करेंगे और उन्हें इस 'ऑल-इन-वन' रेलवन ऐप के लाभों के बारे में जानकारी देंगे।प्लेटफॉर्म पर तकनीक का आगमन इस अभियान को अत्यधिक दृश्यमान और संवादात्मक बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यात्री केंद्रों को समर्पित 'प्रमोशनल बूथों' के माध्यम से एक नया रूप दिया जाएगा जहाँ ब्रांडेड कैनोपी टेंट, हेल्प डेस्क और बैठने की व्यवस्था होगी ताकि यात्रियों को ऐप डाउनलोड करने और तकनीकी समस्याओं को सुलझाने में सहायता मिल सके।सोशल मीडिया के दौर को ध्यान में रखते हुए पूर्व रेलवे प्रमुख जंक्शनों पर जीवंत सुविधा क्षेत्र भी स्थापित कर रहा है। इन क्षेत्रों का उद्देश्य यात्रियों को अपने डिजिटल बदलाव के अनुभवों को ऑनलाइन साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना है।जिससे रेलवन को अपनाना एक समुदाय-आधारित जन आंदोलन बन सके।पूरे जोन में रणनीतिक तैनातीरेलवे प्रशासन ने गहन फोकस के लिए ₹प्रमुख स्टेशनों की पहचान की है।सियालदह मंडलः सियालदह दमदम जंक्शन, नैहाटी जंक्शन और कांचरापाड़ा।हावड़ा मंडल हावड़ा बैंडेल जंक्शन बर्द्धमान जंक्शन और रामपुरहाटआसनसोल मंडल आसनसोल दुगार्पुर और जसीडीह।मालदा मंडल मालदा टाउन भागलपुर, साहिबगंज और जमालपुर।केवल यात्रियों तक सीमित रहने के बजाय यह अभियान 360 डिग्री दृष्टिकोण अपनाता है। वाणिज्यिक कर्मचारियों को विशेष रूप से डिजिटल एंबेसडर के रूप में नियुक्त किया जाएगा जो जनता को ऐप की विशेषताओं के बारे में मार्गदर्शन देंगे।विशेष रूप से पूर्व रेलवे प्रशासन इस बात पर जोर दे रहा है। कि यह केवल यात्री जनता के लिए नहीं है। रेलवे कर्मचारियों को भी रेलवन ऐप अपनाने के लिए प्रेरित करने हेतु एक समानांतर अभियान चलाया जा रहा है। ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कार्यबल भी उतना ही डिजिटल रूप से दक्ष हो जितनी उनकी सेवाएँ। निरंतर स्टेशन घोषणाओं के माध्यम से उत्साह बनाए रखा जाएगा जिससे यात्रियों को उनकी उंगलियों पर उपलब्ध टिकट बुकिंग रीयल-टाइम ट्रैकिंग और शिकायत निवारण की सुविधा की याद दिलाई जाएगी।पूर्व रेलवे के सीपीआरओ शिबराम मांझी ने कहा हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि इस डिजिटल यात्रा में कोई भी यात्री या कर्मचारी पीछे न छूटे। रेलवन केवल एक ऐप नहीं है; यह भारतीय रेलवे का भविष्य है और हम उस भविष्य को स्टेशन के दरवाजे तक ला रहे हैं।

शहर में पारंपरिक और आधुनिक रंगों का एक अनूठा मिश्रण रहा

संवाददाता

साहिबगंज : यह दिन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। क्योंकि यह नरसिंह विष्णु द्वारा हिरण्यकशिपु पर विजय प्राप्त करने की स्मृति में मनाया जाता है। होली की उत्पत्ति भारत में हुई और यह मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में मनाई जाती है, लेकिन यह एशिया के अन्य क्षेत्रों और पश्चिमी दुनिया के कुछ हिस्सों में भी फैल चुकी है । वहीं दूसरी और जिला सहित आसपास क्षेत्र में साहिबगंज में होली 2026 में बहुत प्रेम, उमंग और पारंपरिक उत्साह के साथ खेली गई। शहर में 2 मार्च की रात होलिका दहन के बाद 4 मार्च को रंगों की होली मनाई गई, जिसमें लोगों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाया और फागुन गीतों की धुन पर जमकर नाचते-गाते जश्न मनाया। साहिबगंज होली के खास बातें पारंपरिक हर्षोल्लास लोगों ने पुरानी गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाया और रंग-गुलाल लगाया।होली मिलन और संगीत जगह-जगह होली मिलन समारोह आयोजित किए गए और ढोल-नगाड़ों के साथ फागुन गीतों का आनंद लिया गया। होली के लिए बाजार में मौसमी दुकानें सजीं जहाँ रंग गुलाल और पिचकारियों की खूब खरीदारी हुई।सांस्कृतिक एकता यह त्यौहार भाईचारे का प्रतीक बना जहाँ पत्रकार और आम लोग सभी इस रंगोत्सव में रंगे दिखे।विभिन्न आयोजन रंग दे साहिबगंज जैसी होली पार्टियां और सामूहिक समारोह आयोजित कर रंगों का उत्सव मनाया गया। यह पूरा उत्सव शहर में पारंपरिक और आधुनिक रंगों का एक अनूठा मिश्रण रहा जिसमें हर वर्ग के लोग शामिल हुए।

न्यूज IN ब्रीफ

झामुमो कार्यालय का हुआ उद्घाटन

साहिबगंज/बोरियो : प्रखण्ड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखण्ड कार्यालय का उद्घाटन बोरियो विधानसभा के विधायक धनंजय सोरेन के द्वारा किया गया।इस अवसर पर विधायक ने कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया और कहा कि प्रखण्ड कार्यालय के खुलने से संगठन को मजबूती मिलेगी कार्यकताओं को अपनी बात रखने और जनता की समस्याओं को उठाने के लिए एक सशक्त मंच मिलेगा।उन्होंने कहा कि झामुमो हमेशा से जनता के हितों के लिए काम करती रही है और संगठन को मजबूत बनाकर क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास किया जाएगा।उद्घाटन समारोह में झामुमो के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

होली पर्व से पहले चार चक्का का आतंक एन एच 80 पर दो घायल

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र में वायरल वीडियो को देखकर सभी लोग हैरान में है।एन एच 80 पर चार चक्का का आतंक दिख रहा है।आखिर एक व्यक्ति को कुचलने का मकसद क्या होगा। घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया।हालांकि धक्का मार कर भाग रहे गाड़ी को पकड़ने की कोशिश भी किया गया।जबकि गाड़ी ड्राइवर को रोकने के लिए एक युवक गाड़ी पर लटक कर रोकने की कोशिश भी की लेकिन युवक को धक्का मार कर बीच रास्ते में गिरा दिया जिससे वह युवक भी बुरी तरह घायल हो गया।चार चक्का गाड़ी नंबर जे एच 01सी एप 2501 है वहीं इस मामले को लेकर पुलिस प्रशासन छानबीन में जुट गए जबकि थाना प्रभारी ने बताया की इस तरह का अपराधिक घटना करने वाले ड्राइवर को बक्सा नहीं जाएगा। ड्राइवर को पकड़ने के लिए लगातार छानबीन की जा रही है।

समारोह का शुभारंभ शिव वंदना से हुई

साहिबगंज : रंगों का त्योहार होली के अवसर पर साहिबगंज जिला मुख्यालय के नार्थ कॉलोनी स्थित चंदन सिंह के आवासीय परिसर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।समारोह का शुभारंभ कलाकारों ने शिव वंदना से की उसके बाद एक से बढकर एक होली के गाने पर मौजूद पत्रकारों ने जम कर नृत्य कियाऔर एक दुसरे को अबीर गुलाल लगाकर व एक साथ मिष्ठान भोजन का लुफ्त उठाया.मौके पर वरिष्ठ पत्रकार सुरेश निर्मल,चंदन सिंह, अरविंद ठाकुर, शिव शंकर निराला,सुनील ठाकुर,सुधाकर,पंकज वर्मा,अमित सिंह, उज्जवल सिंह, अरविंद कुमार,आलोक कुमार,तौकीर राज, दीपक केशरी, गोपाल श्रीवास्तव,नवीन कुमार,रंजन कुमार, प्रवीण कुमार,देव आर्यन,मुरलीधर तिवारी,अमित राज सिंह, सहेंद कुमार,सन्नी मंडल,विवेक कुमार सहित जिले के दर्जनों पत्रकार मौजूद थे

चंदन सिंह के आवासीय परिसर में हुआ होली मिलन समारोह

साहिबगंजःरंगो का त्योहार होली के अवसर पर साहिबगंज जिला मुख्यालय के नार्थ कॉलोनी स्थित चंदन सिंह के आवासीय परिसर में मंगलवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया.समारोह का शुभारंभ कलाकारों ने शिव वंदना से की.उसके बाद एक से बढकर एक होली के गाने पर मौजूद पत्रकारों ने जम कर नृत्य किया और एक दुसरे को अबीर गुलाल लगाकर व एक साथ मिष्ठान भोजन का लुफ्त उठाया।मौके पर वरिष्ठ पत्रकार सुरेश निर्मल, चंदन सिंह, अरविंद ठाकुर, शिव शंकर निराला, सुनील ठाकुर, सुधाकर, पंकज वर्मा, अमित राज सिंह, उज्जवल सिंह, अरविंद कुमार, आलोक कुमार, तौकीर राज,दीपक केशरी,गोपाल श्रीवास्तव,नवीन कुमार, रंजन, अमित कुमार सिंह, प्रवीण कुमार, देव आर्यन, मुरलीधर तिवारी,,सहेंद कुमार, सन्नी मंडल, विवेक कुमार सहित जिले के दर्जनों पत्रकार मौजूद थे।

विद्यार्थी परिषद् ने किया विरोध

दुमका : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, दुमका के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अमन शाह ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को तोड़ने का प्रयास किया गया है, जो अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। महापुरुष हमारे देश और समाज की धरोहर हैं, उनकी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करने का जो भी प्रयास किया गया है, उस पर दोषी व्यक्ति के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दुमका द्वारा पूर्व में भी जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन के माध्यम से यह मांग की गई थी कि जिले में स्थापित सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और उनकी समुचित सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। लेकिन अभी तक जिला प्रशासन द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। अमन शाह ने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के आसपास जल्द से जल्द सीसीटीवी कैमरे, प्रकाश व्यवस्था (लाइट) एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।साथ ही, हाल ही में हुई इस घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की जल्द पहचान कर उन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

डॉ.भीमराव अंबेडकर को अपमानित करने के विरोध में आंदोलन जारी

दुमका : भारतीय संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा को अपमानित करने पर विरोध कार्यक्रम जारी है. राष्ट्रीय जनता दल जिलाध्यक्ष डॉ अमरेंद्र कुमार यादव, डॉ सिकंदर कुमार, प्रो सत्यम कुमार, आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष पवन कुमार रविदास, महासचिव, श्रवण कुमार, प्रदीप कुमार, मिठुन दास, अजित कुमार मांझी, डॉ सिकंदर कुमार, रामचन्द्र मांझी, पवित्र कुमार मंडल सहित दर्जनों लोगों की उपस्थिति में बाबा साहब की प्रतिमा से आपत्तिजनक चीजों को पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में उतारा गया।

होली के गीतों पर झूमे दिव्यांग बच्चे

संवाददाता

साहिबगंज : स्थानीय दिव्यांग विद्यालय में आज कौशल्या ज्योति ट्रस्ट और हेल्पिंग हैंडस के द्वारा दिव्यांग बच्चों के बीच होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों को होली की सामग्री रंग, गुलाल, पिचकारी, मुखौटा, मिष्ठान, आदि सामग्री दिया गया।बच्चे होली के रंग में जमकर आनंद लिए। कौशल्या ज्योति ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी इन दिव्यांग बच्चों के बीच संस्थाओं के अलावे कई सामाजिक कार्यकताओं के सहयोग से बच्चों के बीच होली की सामग्री वितरित की गई और जमकर होली का आनंद लिया गया। बच्चों के चेहरों पर खुशियों के रंग थे।इस अवसर पर हेल्पिंग हैंड्स के अध्यक्ष अभीदीप्स प्रशांत सागर,कुमार दीपांशु, निखिल गौरव,पूजा कुमारी, कंचन कुमारी, निशा गुप्ता संजीव गुप्ता मिथिलेश कुमार झा, ज्योति मिश्र, चंदा कुमारी,बलराम कुमार,शिव्यांशी सिंह,रवीना सिंह,यश पांडेय सहित दर्जनों लोग और विद्यालय के सभी सिस्टर उपस्थित थीं।

तीनपहाड़ मास्किपुर डैम में तैरता मिला लापता अधेड़ का शव, इलाके में सनसनी

साहिबगंज : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के दुगार्पुर स्थित डैम में मंगलवार सुबह एक 55 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान चंदा पहाड़िया के रूप में हुई है। चंदा पहाड़िया बीते सोमवार दोपहर से लापता थे। जिनका शव 24 घंटे बाद पानी में तैरता हुआ मिला। इस घटना के बाद से पूरे गांव में शोक की लहर है।सोमवार से लापता थे चंदा पहाड़िया परिजनों के अनुसार, सोमवार दोपहर चंदा पहाड़िया घर से निकले थे। लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। परिवार ने अपने स्तर पर सगे-संबंधियों और आसपास के गांवों में काफी खोजबीन की, पर उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच सोमवार शाम एक ग्रामीण ने डैम में किसी के डूबने की आशंका जताई थी। सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन रात के अंधेरे और डैम के विशाल क्षेत्र के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू नहीं हो सका।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा स्थानीय लोगों ने जब डैम के पानी में एक शव को तैरते देखा तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना के एएसआई ललन राजवार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को पानी से बाहर निकाला और कागजी कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल भेज दिया। फिलहाल पुलिस ने यूडी अपमृत्यु केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। परिजनों का बुरा हाल, सुरक्षा पर उठे सवालमृतक की पत्नी सुरजी पहाड़िन का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि वे सोमवार से ही अपने पति की तलाश में भटक रही थीं लेकिन उन्हें क्या पता था कि डैम से यह दुखद खबर मिलेगी। वहीं स्थानीय लोगों ने डैम के पास सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है किडैम के किनारे सुरक्षा घेरा या चेतावनी बोर्ड न होने से अक्सर हादसे होते हैं।

उप विकास आयुक्त ने किया पेय जलापूर्ति योजना का निरीक्षण

संवाददाता

दुमका : जिले के उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने गुरुवार को मसलिया प्रखंड के धोबना हरिनबहाल पंचायत पहुंचकर बंद पड़े पेयजलापूर्ति योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि उक्त योजना का मेंटेनेंस पीरियड समाप्त हो चुका है।

उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि धोबना हरिनबहाल से जुड़े 22 गांवों में हो रही पेयजलापूर्ति योजना का सर्वे कराकर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें कि योजना क्रियाशील है या नहीं। उन्होंने कहा कि प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि क्षेत्र के लोगों को सुचारु रूप से पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

साउथ सुपरस्टार विजय को लगा बड़ा झटका

शादी के 27 साल बाद पत्नी संगीता ने मांगा तलाक

अपनी अपकमिंग फिल्म जन नायगन की रिलीज से पहले साउथ सुपरस्टार थलपति विजय को बड़ा झटका लगा है. उनकी वाइफ संगीता एक्टर संग 27 साल का अपना रिश्ता खत्म करना चाहती हैं और इस क्रम में उन्होंने एक्टर से तलाक भी मांगा है.

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बड़े एक्टर थलपति विजय को उनकी फिल्म जन नायगन की रिलीज के बीच बड़ा झटका लगा है. वे पहले ही अपनी आखिरी फिल्म की रिलीज को लेकर परेशानियों का सामना कर रहे थे. लेकिन अब एक्टर को इसी बीच एक बड़ा झटका लगा है. उनकी वाइफ संगीता ने एक्टर पर किसी महिला के साथ रिश्ते का आरोप लगाया है और डिवोर्स के लिए पेटिशन फाइल की है. एक्टर की प्रोफेशनल लाइफ को लेकर तो टेंशन चल ही रही थी लेकिन अब उनकी पर्सनल लाइफ में भी ये नई समस्या खड़ी हो गई है. मशहूर अभिनेता विजय की पत्नी संगीता ने शादी के 27 साल बाद बड़ा कदम उठाया है और चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की है. उन्होंने एक्टर पर एक्स्ट्रा मैरेटल अफेयर का आरोप लगाया है और उन्होंने अपनी अर्जी में बताया है कि एक्टर का किसी महिला के साथ अफेयर चल रहा है. अचानक तलाक की अर्जी ने विजय के फैंस के बीच हलचल मचा दी है. हालांकि अभी साउथ सुपरस्टार की ओर से इसपर कोई भी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है.

खत्म होगा विजय-संगीता का 27 साल पुराना रिश्ता

इतिहास की ओर रुख करें तो विजय और संगीता ने 25 अगस्त 1999 को शादी की थी. इस शादी से कपल को दो बच्चे भी हैं. उनके बेटे का नाम संजय है जो विजय संग उनकी फिल्म वेट्टईकारन में नजर आ चुके हैं. वहीं दूसरी तरफ उनकी एक बेटी भी है जिसका नाम दिव्या है. वे भी विजय की फिल्म थेरी में नजर आ चुकी हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टर की कुल सम्पत्ति 600 करोड़ के आसपास की है. अब एक्टर की पर्सनल लाइफ में ये नया मोड़ सामने आया है और उनकी वाइफ एक्टर संग अपना 27 साल का वैवाहिक जीवन खत्म करना चाहती हैं. पिछले कुछ समय में नागा चैतन्य और धनुष जैसे साउथ स्टार्स की भी शादी लंबे वक्त के बाद खत्म हुई. अब देखने वाली बात होगी कि इस केस में आगे क्या होता है.

भारत ने रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को 7 रन से हराया, टी20 विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड से होगा सामना

एजेंसी

मुंबई, 05 मार्च (हि.स.)। भारत ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस हाई स्कोरिंग मुकाबले में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 253 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 246 रन ही बना सकी। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना 08 मार्च को न्यूजीलैंड टीम से अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होगा।

सैमसन की विस्फोटक पारी से भारत का बड़ा स्कोर

भारतीय पारी की शुरूआत में अभिषेक शर्मा जल्दी आउट हो गए, लेकिन इसके बाद संजू सैसमन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। उन्होंने 42 गेंदों में 89 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौके और सात छक्के शामिल रहे। सैमसन ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 97 रन की अहम साझेदारी की। किशन ने 18 गेंदों में 39 रन बनाए। इसके बाद शिवम दुबे ने भी 25 गेंदों में 43 रन की तेज पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अंतिम ओवरों में हार्दिक पांड्या ने 12 गेंदों में 27 रन और तिलक वर्मा ने 7 गेंदों में 21 रन बनाकर भारत का स्कोर 250 के पार पहुंचाया।

बैथेल का शतक, लेकिन इंग्लैंड को नहीं दिला सके जीत

254 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को शुरूआत में झटके लगे। जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और वरुण चक्रवर्ती ने पावरप्ले में एक-एक विकेट लेकर दबाव बनाया। हालांकि इंग्लैंड के बल्लेबाज जैकब बैथल ने शानदार शतक लगाकर टीम को मुकाबले में बनाए रखा। उन्होंने जोस बटलर, टॉम बैंटन और विल जैक्स के साथ अहम साझेदारियां कीं। मैच के 17 ओवर के बाद इंग्लैंड का स्कोर 209 रन था और उसे आखिरी तीन ओवर में 45 रन की जरूरत थी। उस समय मुकाबला पूरी तरह रोमांचक हो गया था।

बुमराह और पांड्या के ओवरों ने बदला मैच

18वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 6 रन दिए। इसके बाद 19वें ओवर में हार्दिक पांड्या ने सैम करन को आउट कर इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा दिया। आखिरी ओवर में गेंदबाजी की जिम्मेदारी शिवम दुबे को दी गई और पहली ही गेंद पर जैकब बैथेल 105 रन बनाकर रन आउट हो गए। इसके साथ ही इंग्लैंड की उम्मीदें खत्म हो गईं और टीम इंडिया ने 7 रन से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ भारत लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंच गया है और अब वह खिताब बचाने से सिर्फ एक कदम दूर है।

फीफा विश्व कप 2026 से पहले मोरक्को के कोच वालिद रेग्रागुई ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

रबात : मोरक्को की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच वालिद रेग्रागुई ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन्होंने फीफा विश्व कप 2026 से कुछ महीने पहले लिया है। पिछले कई हफ्तों से उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, जिसके बाद उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया। रेग्रागुई ने अपने इस्तीफे का कारण थकान बताया है। 50 वर्षीय रेग्रागुई ने 2022 में फीफा विश्व कप 2022 में मोरक्को को ऐतिहासिक सेमीफाइनल तक पहुंचाया था। यह किसी भी अफ्रीकी देश का विश्व कप में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इसके अलावा इसी साल जनवरी में उन्होंने टीम को अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के फाइनल तक भी पहुंचाया था, जहां मोरक्को को सेनेगल के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब मोरक्को टीम की कमान मोहम्मद औहबी संभाल सकते हैं। उन्होंने पिछले साल चिली में आयोजित अंडर-20 विश्व कप में मोरक्को की टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सितंबर 2022 में कोच बनने के बाद रेग्रागुई का रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा। उनके कार्यकाल में मोरक्को ने 49 मैचों में 36 जीत दर्ज की, 8 मुकाबले ड्रॉ रहे और सिर्फ 5 में हार मिली। इसी दौरान टीम ने जून 2024 से दिसंबर 2024 के बीच लगातार 19 जीत दर्ज कर राष्ट्रीय टीमों के बीच लगातार सबसे अधिक जीत का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। बताया जा रहा है कि जनवरी में नेशंस कप के विवादित फाइनल में हार के बाद ही रेग्रागुई इस्तीफा देना चाहते थे। लगभग चार साल तक टीम की जिम्मेदारी संभालने के बाद वह मानसिक और शारीरिक रूप से काफी थक चुके थे।

इंडियन वेल्स 2026: वीनस विलियम्स पहले दौर में हारकर बाहर

एजेंसी

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया) :सात बार की ग्रैंड स्लैम विजेता वीनस विलियम्स का बीएनपी परिबास ओपन 2026, जिसे इंडियन वेल्स टेनिस टूनार्मेंट के नाम से भी जाना जाता है, में अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया। फ्रांस की डायने पैरी ने गुरुवार को खेले गए मुकाबले में वीनस को 3-6, 6-7 (4), 1-6 से हराकर टूनार्मेंट से बाहर कर दिया। 45 वर्षीय वीनस विलियम्स को इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट के सिंगल्स और डबल्स ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड दिया गया था। यह उनके इंडियन वेल्स में पदार्पण के 30 साल बाद की वापसी थी। उन्होंने पहली बार 1996 में 15 वर्ष की उम्र में इस टूनार्मेंट में हिस्सा लिया था। मुकाबले में पहले सेट में पिछड़ने के बाद वीनस ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया, लेकिन 23 वर्षीय डायने पैरी (विश्व रैंकिंग 111) ने तीसरे सेट में पूरी तरह नियंत्रण स्थापित करते हुए आसानी से जीत दर्ज कर ली। यह वीनस विलियम्स की इस टूनार्मेंट में 10वीं उपस्थिति थी और 2024 के बाद उनकी पहली वापसी भी। 2024 में भी वह वाइल्ड कार्ड के जरिए खेलते हुए पहले ही दौर में हार गई थीं।

'डकैत' की रिलीज़ से पहले

भद्रकाली मंदिर पहुंचे अदिवि शेष, फिल्म की सफलता के लिए मांगा आशीर्वाद

एक्टर अदिवी शेष इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'डकैत' की रिलीज़ को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वहीं, फिल्म की रिलीज से पहले हाल ही में एक्टर ने भद्रकाली मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने फिल्म की सफलता के लिए भगवान का आशीर्वाद लिया है। एक्टर अदिवी शेष इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'डकैत' की रिलीज़ को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वहीं, फिल्म की रिलीज से पहले हाल ही में एक्टर ने भद्रकाली मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने फिल्म की सफलता के लिए भगवान का आशीर्वाद लिया है। अदिवी शेष ने अपनी आने वाली फिल्म डकैत के प्रमोशन की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। फिल्म का पहला गाना 'रूबरू' आज रिलीज़ हुआ है। यह रोमांटिक गाना अदिवी शेष और उनकी सह-कलाकार मृणाल ठाकुर पर फिल्माया गया है और इसके साथ ही फिल्म के प्रमोशनल कैंपेन की शुरुआत हो गई है। गाने की रिलीज और प्रमोशन की शुरुआत से पहले, अदिवी शेष ने वारंगल के प्रसिद्ध भद्रकाली मंदिर में जाकर माथा टेका और फिल्म की सफलता के लिए आशीर्वाद लिया। यह दौरा ऐसे समय पर हुआ है जब टीम अप्रैल रिलीज़ की तैयारी में जुटी हुई है।

अक्षरा सिंह ने किया खुलासा

भोजपुरी इंडस्ट्री में महिला कलाकारों के साथ क्या हो रहा है

भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह ने खेसारी लाल यादव और काजल राघवानी विवाद पर बेबाक खुलासा किया. उन्होंने स्टेज शो में हुई बदसलूकी और अभद्र गानों के खिलाफ अपनी प्रतिक्रिया साझा की, साथ ही इंडस्ट्री में महिला कलाकारों की सुरक्षा और अनुचित व्यवहार पर गंभीर सवाल उठाए. भोजपुरी इंडस्ट्री की शेरनी कहे जाने वाली Akshara Singh हमेशा अपनी बेबाक राय के लिए जानी जाती हैं. चाहे मामला उनकी पर्सनल लाइफ से जुड़ा हो या किसी और कलाकार के साथ हुए घटनाक्रम का, अक्षरा किसी भी मुद्दे पर खुलकर बोलने से पीछे नहीं हटतीं. हाल ही में उन्होंने सिद्धार्थ कन्नन को दिए एक इंटरव्यू में अपने साथ हुए अनुभवों और इंडस्ट्री के विवादों को लेकर कई खुलासे किए.

काजल राघवानी के समर्थन में बोलीं अक्षरा

अक्षरा सिंह ने काजल राघवानी और खेसारी लाल यादव के विवाद पर खुलकर बात की. उन्होंने कहा कि खेसारी को सपोर्ट करने वाले लोगों ने काजल को बहुत परेशान किया था. 'काजल ने मुझे फोन करके मदद मांगी थी,' अक्षरा ने कहा. उन्होंने ये भी बताया कि उस समय काजल के ऊपर अभद्र गाने बन रहे थे और स्टेज शो में उनके साथ बदसलूकी की गई थी. अक्षरा ने यह साफ किया कि उन्होंने सिर्फ उनका मनोबल बढ़ाने की कोशिश की थी.

खेसारी लाल यादव के साथ रिश्तों पर खुलासे

अक्षरा ने बताया कि खेसारी लाल यादव के साथ उनके रिश्ते अब अच्छे नहीं हैं. 'पहले वो मुझसे सीखते थे, लेकिन अब उनमें घमंड बहुत बढ़ चुका है,' उन्होंने कहा. उनके इस बयान से साफ है कि इंडस्ट्री के अंदर रिश्तों में उतार-चढ़ाव आम हैं और लोग समय के साथ बदल जाते हैं.

इंडस्ट्री में गंदगी और असुरक्षा

अक्षरा ने कहा कि जब उनके साथ या किसी और महिला सिंगर के साथ अनुचित व्यवहार होता है, तो यह किसी भी लड़की के लिए बहुत बड़ा झटका होता है. उन्होंने इसे इंडस्ट्री की असुरक्षा और गंदगी का उदाहरण बताया. अक्षरा ने कई सिंगर्स को कॉल कर डांट भी लगाई, क्योंकि जब उनके साथ ऐसा हुआ, तो कोई उनका बचाव नहीं कर रहा था. उनका कहना था कि ऐसे गंदे गानों और स्टेज शो में अभद्रता को रोकना जरूरी है और इंडस्ट्री को सही दिशा में ले जाना चाहिए.

नानी की 'ब्लडी रोमियो' में पृथ्वीराज सुकुमारन की एंट्री? पावरफुल रोल ने फैंस के बीच बढ़ाई एक्साइटमेंट

साउथ फिल्म दुनिया में 2026-27 फिर से कुछ धमाकेदार प्रोजेक्ट्स का साल होने जा रहा है और अब 'ब्लडी रोमियो' नाम की एक नई पैन-इंडिया फिल्म चर्चा में है. एक्टर नानी की ये मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है, जिसका ऐलान उनके जन्मदिन पर किया गया था. फिल्म की अनाउंसमेंट के कुछ वक्त बाद ही ये खबर सामने आ रही है कि पृथ्वीराज सुकुमारन भी इस फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं. साथ ही ये भी बताया जा रहा है कि वो फिल्म में एक दमदार भूमिका निभाते नजर आ सकते हैं. पृथ्वीराज सुकुमारन का नाम फिल्मी दुनिया के बेहतरीन कलाकारों में शामिल है. एक्टर के पास पहले से ही कई कमाल की फिल्में हैं, जिसमें अब सुजीत की डायरेक्शन में बन रही फिल्म 'ब्लडी रोमियो' का नाम भी शामिल हो गया है. सुजीत पहले भी बड़े बजट की फिल्मों में अपनी पहचान बना चुके हैं. फिल्म की अनाउंसमेंट एक एडवेंचरस एनिमेटेड टीजर के साथ हुआ था जिसमें नानी को एक ह्श.1 शेफ और गैंगस्टर के रूप में दिखाया गया. टीजर ने शानदार विजुअल स्टाइल और दमदार कॉन्सेप्ट के साथ फैंस को एक्साइटेड किया है. अब खबरों के मुताबिक, 'वाराणसी' जैसी बड़े प्रोजेक्ट में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाले पृथ्वीराज को फिल्म में एक पावरफुल किरदार के लिए विचार किया जा रहा है. रिपोर्ट्स में कहा गया है कि निर्माता उन्हें फिल्म के प्रमुख किरदारों में से एक के तौर पर शामिल करना चाहते हैं और यह कदम 'ब्लडी रोमियो' की अपील और भी बढ़ा सकता है.

इस वजह से धोना पड़ा हाथ

'कल्कि', 'स्पिरिट' के बाद एक और बिग प्रोजेक्ट से बाहर हुई दीपिका !

एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण पिछले कुछ वक्त से फिल्मों को ठुकराने को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। पहले वो संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट से बाहर हो गई थीं और फिर नाग अश्विन की मूवी कल्कि पार्ट 2 से उन्होंने किनारा कर लिया। वहीं, अब फिर कुछ ऐसी ही खबर सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि दीपिका एक बड़े प्रोजेक्ट से बाहर हो गई हैं। दरअसल, दीपिका पादुकोण हॉलीवुड की वेब सीरीज 'द व्हाइट लोटस' के नए सीजन में नजर आने वाली थीं। कहा जा रहा था कि वह 'द व्हाइट लोटस सीजन 4' सीरीज के मेकर्स ने उन्हें एक अहम रोल के लिए अप्रोच किया है, लेकिन अब कुछ और ही सुनने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका पादुकोण सीरीज से बाहर हो गई और इसकी वजह ऑडिशन पॉलिसी है। कहा जा रहा है कि 'द व्हाइट लोटस' के लिए ऑडिशन मेंडेटरी है। साइन करने से पहले मेकर्स सभी स्टार्स का ऑडिशन ले रहे थे। हालांकि, दीपिका ने ऑडिशन नही किया और इसी वजह से उनके हाथ से यह सीरीज निकल गई।

आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने देख ली 'धुरंधर 2'

बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाते हुए 'धुरंधर' ने जबरदस्त सफलता हासिल की। इसने भारत में 800 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 1300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के अलावा, 'धुरंधर' इंटरनेट पर भी खूब चर्चा में रही, जहां लोग इसके गानों और हर सीन की तारीफ कर रहे थे। अब जब दर्शक फिल्म के दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो वहीं यामी गौतम ने सबकी उत्सुकता और बढ़ा दी है। उन्होंने कहा है कि वो 'धुरंधर 2' देख चुकी हैं। यामी गौतम ने बताया कि उन्होंने 'धुरंधर 2' देख ली है और वह इसे देखने के बाद से ही मंत्रमुग्ध हो गई हैं। उन्होंने आदित्य धर की तारीफ करते हुए ह्द्न2ह्य18 से बातचीत में कहा, 'मेरे पति ने उरी जैसी कई बेहतरीन फिल्में बनाई हैं। हाल ही में उन्होंने 'धुरंधर' बनाई है। उनमें 'धुरंधर' जैसी फिल्म बनाने का जुनून है, वरना यह मुमकिन ही नहीं होता।'

अमेरिका-इजराइल का ईरान के आजादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पर हमला

12 हजार सीटों की क्षमता वाला इंडोर एरिना पूरी तरह ध्वस्त

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन : अमेरिका-इजराइल के संयुक्त सैन्य अभियान से ईरान थर्रा उठा है। अमेरिका और इजराइल ने युद्ध के छठवें दिन ईरान की राजधानी तेहरान में स्थित दुनिया के बेहिसाब खूबसूरत और प्रतिष्ठित फुटबाल मैदान 'आजादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' को निशाना बनाया। इस बमबारी में इसका 12 हजार सीटों की क्षमता वाला इंडोर एरिना पूरी तरह ध्वस्त हो गया।ईरान इंटरनेशनल समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान सरकार ने आजादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पर अमेरिकी-इजराइली हमले हमले की निंदा की है। ईरान ने माना है कि उस जगह पर बने 12,000 सीटों वाले इंडोर स्टेडियम को भारी नुकसान हुआ है। खेलमंत्री अहमद दोन्यामाली ने घटनास्थल का दौरा किया और हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून और ओलंपिक चार्टर का उल्लंघन बताया। उन्होंने दुनिया भर से जवाबदेही तय करने की अपील की। अमेरिका और इजराइल

ने इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

तेहरान का आजादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ईरान का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित खेल परिसर है। इस फुटबाल स्टेडियम की क्षमता लगभग 78,000 से 1,00,000 के बीच है। इंडोर एरिना का उपयोग वॉलीबॉल, कुश्ती, बास्केटबॉल और फुटसल के लिए किया जाता रहा है। कॉम्प्लेक्स में अन्य सुविधाएं भी हैं। इसमें एक कृत्रिम झील (रोइंग और कयाकिंग के लिए), तैराकी केंद्र, वेलोड्रोम (साइकिलिंग) और प्रशिक्षण मैदान शामिल हैं। इसका ऐतिहासिक महत्व भी है। मोहम्मद रजा शाह के शासनकाल में इसका निर्माण 1974 के एशियाई खेलों की मेजबानी के लिए किया गया था। इसने 1976 एएफसी एशियाई कप जैसे कई बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी की है। स्थापना के समय मूल रूप से इसे 'आर्यमेहर स्टेडियम' कहा जाता था। 1979 की ईरानी क्रांति के बाद इसका नाम बदलकर आजादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स कर दिया गया। ईरान सरकार ने माना कि पांच मार्च के हवाई हमले में इंडोर एरिना के साथ साइकिलिंग फेडरेशन की नई इमारत और डॉरमिटरी (छात्रावास) को भी भारी क्षति हुई है। सरकार ने लोगों को इस क्षेत्र में जाने से बचने की सलाह दी है। यह कॉम्प्लेक्स तेहरान के पश्चिम में एकबतन जिले के पास स्थित है। अमेरिका के रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान को चेताते हुए कहा कि अभी तो लड़ाई शुरू हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अभी और भी बड़ी कॉम्बैट पावर (सैन्य शक्ति) आनी बाकी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल की सेनाएं मौजूदा क्षमता से कई गुना तेज हमला करेंगी। वाशिंगटन सैन्य अभियान बंद नहीं करेगा।

राजस्थान में बढ़ने लगी गर्मी, कई शहरों का तापमान 35 डिग्री पार

जयपुर : राजस्थान में गर्मी ने मार्च की शुरूआत में ही तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। गुरुवार को प्रदेश के 15 से अधिक शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर मापा गया। भीलवाड़ा, अलवर, पिलानी, कोटा समेत कई शहरों में दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखी गई। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार प्रदेश में अगले दो सप्ताह के दौरान तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसके चलते गर्मी तेज पड़ेगी और कुछ हिस्सों में हीटवेव जैसी स्थिति भी बन सकती है। विभाग ने अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में मौसम साफ रहने और तेज धूप पड़ने का अनुमान जताया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में आसमान साफ रहा और सुबह से ही तेज धूप निकलने के कारण दिनभर गर्मी महसूस की गई। उदयपुर, श्रीगंगानगर, पिलानी, फलोदी, कोटा, जोधपुर, जैसलमेर, चूरू, चित्तौड़गढ़, बीकानेर और बाड़मेर में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से ऊपर मापा गया। वहीं बीकानेर, हनुमानगढ़, जयपुर, जालौर, जोधपुर और फलोदी को छोड़कर प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। अलवर, बारां, भीलवाड़ा, करौली और सिरोही में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे मापा गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह के दौरान प्रदेश में तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ोतरी हो सकती है। इस दौरान आसमान साफ रहेगा।

खामेनेई की मौत के विरोध में प्रदर्शन की आशंका के चलते कश्मीर घाटी में सख्त प्रतिबंध

एजेंसी

श्रीनगर : कश्मीर घाटी में शुक्रवार को लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध और कड़े कर दिए गए हैं। अधिकारियों को आशंका है कि आज दोपहर की नमाज के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में प्रदर्शन हो सकते हैं। अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हमलों में खामेनेई की मौत के विरोध में लगातार छठे दिन घाटी में जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। प्रदर्शनों के बाद सोमवार को यह प्रतिबंध लगाए गए। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और धार्मिक नेताओं के साथ बैठक की ताकि स्थिति को सामान्य किया जा सके।

बैठक के बाद अब्दुल्ला ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की । बैठक के बाद विरोध प्रदर्शन कम हो गए हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति से प्रभावित स्थानों की संख्या मंगलवार को कुछ दर्जन से घटकर गुरुवार को 10 से भी कम रह गई है। सरकार ने शनिवार तक शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया है और मोबाइल इंटरनेट की गति कम कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों के जमावड़े को रोकने के लिए तड़के ही शहर भर में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ कर्मियों को तैनात किया गया है। शहर में प्रवेश करने वाले महत्वपूर्ण चौराहों पर कंटीले तार और बैरिकेड लगाए गए हैं।

भोपाल में आज पं. दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान की विषय वक्ता कार्यशाला, मुख्यमंत्री सहित कई वरिष्ठ नेता करेंगे संबोधित

एजेंसी

भोपाल : पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत विषय वक्ता कार्यशाला का आयोजन आज शुक्रवार को भोपाल स्थित रविन्द्र भवन में प्रातः 11 बजे से किया जाएगा। इस कार्यशाला को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह तथा प्रशिक्षण महाअभियान के पश्चिम मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रभारी के.सी. पटेल संबोधित करेंगे। भाजपा मीडिया प्रदेश प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला में चंबल,

ग्वालियर, सागर, नर्मदापुरम और भोपाल संभाग (गुना व अशोकनगर जिले को छोड़कर) के कुल 23 जिलों से 400 से अधिक विषय वक्ता शामिल होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठनात्मक प्रशिक्षण को मजबूत करना और विषय वक्ताओं को प्रभावी संवाद के लिए तैयार करना है। महाअभियान के तहत अगली कार्यशाला 10 मार्च को इंदौर के गुजराती इनोवेटिव कॉलेज में आयोजित की जाएगी, जिसमें इंदौर, निमाड़, उज्जैन, मंदसौर संभाग तथा गुना व अशोकनगर सहित 20 जिलों के विषय वक्ता भाग लेंगे। इसके बाद 14 मार्च को जबलपुर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस कन्वेंशन सेंटर में जबलपुर, छिंदवाड़ा, रीवा और शहडोल संभाग के 19 जिलों के विषय वक्ताओं की कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

इन कार्यशालाओं में प्रदेश पदाधिकारी, प्रशिक्षण महाअभियान की प्रदेश टोली, संभाग प्रभारी, प्रशिक्षक विषय वक्ता, मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष, सोशल मीडिया व आईटी विभाग के प्रदेश संयोजक, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, संभाग प्रशिक्षण प्रभारी, जिला प्रशिक्षण टोली के चार सदस्य तथा जिला स्तर के विषय वक्ता भी शामिल रहेंगे।

सीवान में डॉक्टर दम्पति पर हमला,पथराव के आधे घंटे बाद तक नहीं पहुंची पुलिस

एजेंसी

सीवान : सीवान जिले के सराय ओपी थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात्रि लगभग दस बजे कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बाईपास सड़क पर ट्रैक्टर और स्कॉर्पियो की मामूली टक्कर के बाद उग्र भीड़ ने डॉक्टर दम्पति और उनके परिवार पर हमला कर दिया। हमलावरों ने ईंट-पत्थरों से दो स्कॉर्पियो को क्षतिग्रस्त कर दिया और डॉक्टर दम्पति समेत तीन लोगों को घायल कर दिया। चौंकाने वाली बात यह रही कि करीब आधे घंटे तक बवाल चलता रहा लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। घटना सराय ओपी थाना क्षेत्र के मटुक छपरा गांव के समीप की है। घायलों में मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के श्रीनगर निवासी बैजनाथ प्रसाद के 40 वर्षीय पुत्र डॉ. राजेश रंजन, उनकी पत्नी स्वेता रंजन और बेटे हर्षित रंजन है। सभी घायलों का इलाज सीवान सदर अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, डॉ. राजेश रंजन अपनी पत्नी और बच्चों के साथ होली मनाने सीवान आए हुए थे। गुरुवार की रात वह अपनी स्कॉर्पियो से पटना लौट रहे थे। डॉक्टर खुद गाड़ी चला रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी बाईपास पर मटुक छपरा गांव के पास पहुंची, तभी एक ट्रैक्टर चालक कथित तौर पर नशे की हालत में गाड़ी चला रहा था। डॉ. राजेश रंजन के अनुसार, उन्होंने ट्रैक्टर को ओवरटेक करने की कोशिश की, तभी दोनों वाहनों में हल्की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद ट्रैक्टर चालक भागने लगा। डॉक्टर ने उसका पीछा कर ट्रैक्टर रोककर पूछताछ करनी चाही। इसी दौरान मामला अचानक हिंसक हो गया। बताया जाता है कि ट्रैक्टर चालक स्थानीय गांव का रहने वाला था। उसे रोकने पर गांव के लोग उग्र हो गए और देखते ही देखते बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने डॉक्टर की स्कॉर्पियो पर ईंट-पत्थरों से हमला शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर डॉक्टर के परिजन दूसरी स्कॉर्पियो से मौके पर पहुंचे, लेकिन उग्र भीड़ ने दोनों गाड़ियों को निशाना बना लिया। हमलावरों ने दोनों स्कॉर्पियो के शीशे तोड़ दिए और जमकर पथराव किया।

इस हमले में डॉ. राजेश रंजन, उनकी पत्नी स्वेता रंजन और बेटा हर्षित रंजन घायल हो गए। किसी तरह जान बचाकर सभी लोग वहां से निकलकर सदर अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज चल रहा है। स्वेता रंजन, बिहार के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और सदर विधायक अवध बिहारी चौधरी की भतीजी हैं, जबकि डॉ. राजेश रंजन पटना में निजी क्लिनिक चलाते हैं।

आधे घंटे तक बवाल, पुलिस नदारद

घटना के बाद सराय ओपी थाना की कार्यप्रणाली पर फिर सवाल खड़े हो गए हैं। बाईपास सड़क को जिले का संवेदनशील इलाका माना जाता है और यहां नियमित गश्ती का दावा किया जाता है। इसके बावजूद करीब आधे घंटे तक खुलेआम पथराव और तोड़फोड़ होती रही, लेकिन पुलिस का कोई जवान मौके पर नहीं पहुंचा। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसी इलाके में कुछ दूरी पर उसी शाम एक युवक को दौड़ाकर गोली मारने की घटना भी हुई थी।

जलालगंज में शटल एक्सप्रेस को सांसद प्रिया सरोज ने दिखाई हरी झंडी, क्षेत्र में खुशी की लहर

एजेंसी

जौनपुर : यूपी के जौनपुर में मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र की सांसद प्रिया सरोज के प्रयासों से लखनऊझवाराणसी सुपरफास्ट शटल एक्सप्रेस (20401/20402) का ठहराव अब जलालगंज रेलवे स्टेशन पर शुरू हो गया है। शुक्रवार को ट्रेन अपने निर्धारित समय पर जलालगंज स्टेशन पहुंची, जहां पहले से मौजूद सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासियों और समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ ट्रेन का जोरदार स्वागत किया।इस अवसर पर रेलवे के अधिकारियों की मौजूदगी में सांसद प्रिया सरोज ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर आगे के लिए रवाना किया। ट्रेन के ठहराव की शुरूआत से क्षेत्र में खुशी का माहौल देखने को मिला और लोगों ने इसे लंबे समय से चली आ रही मांग की पूर्ति बताया।सांसद प्रिया सरोज ने बताया कि जलालगंज स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग लंबे समय से क्षेत्र की जनता कर रही थी। इस मुद्दे को

उन्होंने लोकसभा के प्रश्नकाल में भी उठाया था और रेल मंत्री को पत्र लिखकर जलालगंज स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की आवश्यकता से अवगत कराया था।उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया था कि मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र के जलालगंज और आसपास के ग्रामीण इलाकों के हजारों यात्रियों को लखनऊ और वाराणसी जाने के लिए अन्य स्टेशनों पर निर्भर रहना पड़ता है। इससे यात्रियों को समय और धन दोनों की अतिरिक्त खपत करनी पड़ती थी।उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की ओर से मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के माध्यम से लखनऊझवाराणसी सुपरफास्ट शटल एक्सप्रेस के जलालगंज स्टेशन पर ठहराव की पुष्टि की गई थी।सांसद प्रिया सरोज ने कहा कि इस सुविधा से विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को अब अन्य स्टेशनों तक लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। स्थानीय नागरिकों ने सांसद के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

नैला रेलवे फाटक पर जाम के खिलाफ फूटा जनआक्रोश ओवरब्रिज की मांग को लेकर नगर बंद और चक्काजाम

एजेंसी

जांजगीर : नैला रेलवे फाटक पर वर्षों से लगने वाले जाम और लंबे समय से लंबित रेल ओवरब्रिज निर्माण की मांग को लेकर आज शुक्रवार को लोगों का आक्रोश सड़कों पर नजर आया। क्षेत्र की जनता, व्यापारी संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने नगर बंद और चक्काजाम कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस आंदोलन का नेतृत्व जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप ने किया, जिनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक और आम नागरिक भी शामिल हुए। आंदोलन के तहत नैला के परशुराम चौक में धरना प्रदर्शन शुरू किया गया, वहीं नैला-

जांजगीर रेलवे स्टेशन के सामने मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर नगर बंद रखा गया। इस दौरान अकलतरा विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह, जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू सहित नैला नगर व्यापारी संघ और कई सामाजिक संगठनों ने आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नैला रेलवे फाटक पर आए दिन लंबा जाम लग जाता है, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जाम के कारण मरीज, विद्यार्थी, व्यापारी और रोजाना यात्रा करने वाले लोग घंटों फंसे रहते हैं। कई बार एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाएं भी जाम में फंस जाती हैं, जिससे गंभीर स्थिति पैदा हो जाती है। विधायक व्यास कश्यप ने कहा कि रेलवे फाटक की समस्या वर्षों से क्षेत्र की जनता को परेशान कर रही है। इस संबंध में कई बार रेलवे प्रशासन और जिला प्रशासन से मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। उन्होंने कहा कि ओवरब्रिज निर्माण का प्रस्ताव बजट में शामिल होने के बावजूद काम शुरू नहीं हो सका है, जिससे लोगों में लगातार नाराजगी बढ़ रही है। आंदोलनकारियों ने नैला रेलवे फाटक पर रेल ओवरब्रिज निर्माण की मांग को प्रमुख मुद्दा बताते हुए कहा कि जब तक इस दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इसके अलावा चांपा के मिशन अस्पताल समपार के पास अंडरब्रिज निर्माण, नहरिया बाबा के पास फुट ओवरब्रिज निर्माण और जांजगीर-नैला रेलवे स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं के विस्तार की मांग भी की जा रही है। साथ ही गोंडवाना एक्सप्रेस और साउथ बिहार एक्सप्रेस के नैला में ठहराव की मांग भी आंदोलनकारियों ने उठाई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नैला ओवरब्रिज का निर्माण नहीं होने से बलौदा, पहरिया और पंतोरा मार्ग से आने-जाने वाले लोगों को रोजाना भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या से परेशान होकर अब जनता और जनप्रतिनिधि एकजुट होकर आंदोलन कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर अब दो टाइम खुलेंगे, शाम को भी मिलेगी ओपीडी सुविधा

जयपुर : राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर अब दो समय खुलेंगे। इन केंद्रों पर खांसी, जुकाम, बुखार समेत अन्य सामान्य बीमारियों के मरीजों के लिए सुबह के साथ-साथ शाम को भी ओपीडी संचालित की जाएगी। नेशनल हेल्थ मिशन ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। निदेशक डॉ. सुशील कुमार परमार ने बताया कि शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के समय में बदलाव किया गया है। नए आदेश के अनुसार गर्मियों के मौसम (एक अप्रैल से 30 सितंबर) में ओपीडी सुबह आठ बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम पांच बजे से सात बजे तक संचालित होगी। इसी तरह सर्दियों के मौसम (एक अक्टूबर से 31 मार्च) में ओपीडी का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक और शाम 4 बजे से 6 बजे तक रहेगा। वहीं रविवार और राजकीय अवकाश के दिन दोनों ही सीजन में ये अस्पताल सुबह 9 से 11 बजे तक एक पारी में संचालित होंगे। यह व्यवस्था 6 मार्च से पूरे प्रदेश में लागू कर दी गई है। अब आमजन को सुबह के अलावा शाम के समय भी इन केंद्रों पर डॉक्टर को दिखाने की सुविधा मिल सकेगी। वर्तमान में पीएचसी, सीएचसी और अन्य सरकारी अस्पतालों की तरह शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर भी एक ही पारी में संचालित होते थे।

कोलकाता में मौसम साफ, तापमान में मामूली बढ़ोतरी के संकेत

कोलकाता : अगले 24 घंटों के लिए जारी मौसम पूवार्नुमान के अनुसार कोलकाता और इसके आसपास के क्षेत्रों में 06 मार्च की सुबह से 07 मार्च की सुबह तक आसमान मुख्यतः साफ रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान लगभग 33 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान लगभग 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और आसपास के क्षेत्रों में भी आगामी 24 घंटों के दौरान शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है। इन क्षेत्रों के लिए फिलहाल किसी प्रकार की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है और अगले कुछ समय तक मौसम की स्थिति में बहुत अधिक बदलाव की संभावना नहीं है। अलीपुर मौसम. कार्यालय के पिछले 24 घंटों के प्रेक्षण के अनुसार अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस अवधि में अधिकतम आर्द्रता 93 प्रतिशत तथा न्यूनतम आर्द्रता 36 प्रतिशत रही, जबकि वर्षा शून्य मिलीमीटर दर्ज की गई।

लाल निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 354 अंक टूटा

नई दिल्ली : हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। शुरूआती कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 353.69 अंक यानी 0.44 फीसदी टूटकर 79,662.21 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी 117.70 अंक यानी 0.48 फीसदी गिरकर 24,617.75 अंक पर कारोबार कर रहा है। शेयर बाजार में एक दिन की तेजी के बाद गिरावट दिख रही है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 शेयर गिरावट के साथ खुले। इंडिगो और आईसीआईसीआई बैंक में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, एलएंडटी, टाटा स्टील, मारुति, एचडीएफसी बैंक, अडानी पोर्ट्स और भारती एयरटेल में भी गिरावट आई है। वही, बीईएल, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टीसीएस, टेक महिंद्रा, रिलायंस और इटरनल के शेयरों में तेजी है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले लगातार चार दिन की गिरावट का सिलसिला तोड़ते हुए शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ था। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 899.71 अंक यानी 1.14 फीसदी की तेजी के साथ 80,015.90 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 285.40 अंक यानी 1.17 फीसदी की बढ़त के साथ 24,765.90 पर बंद हुआ था।

अरविंद केजरीवाल दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के सामने होंगे उपस्थित

नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के सामने उपस्थित होंगे। केजरीवाल ने इस पूरी कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग की मांग रखी है। अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉम एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि ₹आज दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के सामने दोपहर 3 बजे पेश होऊंगा। उन्होंने मुझे फांसी घर पर चर्चा के लिए बुलाया है।₹

उल्लेखनीय है कि, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति को पत्र लिखकर सूचित किया है कि वे समन के अनुसार 6 मार्च को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होंगे। यह मामला दिल्ली विधानसभा परिसर में कथित ₹फांसी घर₹ की मौजूदगी से जुड़े विवाद से संबंधित है, जिसमें पूर्व आआपा सरकार के दौरान उठाए गए दावों की प्रामाणिकता पर सवाल हैं। विशेषाधिकार समिति ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, राम निवास गोयल और राखी बिरला को पहले समन जारी किए थे, जिसे अब केजरीवाल ने स्वीकार कर लिया है।

सुलतानपुर में बस परिचालक से 18 हजार की छिनैती

सुलतानपुर : उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के कोतवाली नगर में बस स्टेशन पर शुक्रवार भोर में एक बस परिचालक से बदमाशों ने रुपये से भरा बैग, मोबाईल आदि छीन लिया। कानपुर से सुलतानपुर शुक्रवार की भोर मे पहुंची बस संख्या यूपी 78 केटी 2018 के परिचालक विनोद दुबे के साथ यह घटना सुबह लगभग छह बजे हुई। विनोद दुबे ने बताया कि जगदीशपुर से दो यात्री उनकी बस में बैठे थे। इन यात्रियों ने अपनी मजबूरी बताते हुए कहा था कि वे बस अड्डे पर बिरयानी की दुकान से पैसे लेकर उन्हें दे देंगे। सुलतानपुर बस अड्डे से लगभग 100 मीटर आगे गोपालदास पुल के निकट बिरयानी की दुकान पर पहुंचने के बाद, बदमाशों ने परिचालक को एकांत में पाकर उनसे रुपयों से भरा बैग छीन लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने विनोद दुबे के साथ मारपीट की, उनके कपड़े फाड़ दिए और उनका मोबाइल भी छीन लिया। लूटे गए बैग में लगभग 18 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन, टिकट मार्ग और ईटीएम मशीन मौजूद थी। घटना के बाद, विनोद दुबे ने पैदल भागकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बाद में उनका मोबाइल फोन बरामद कर लिया। परिचालक विनोद दुबे ने कोतवाली नगर में घटना की प्राथमिकी दर्ज करने के लिए तहरीर दी है। इस संबंध में नगर कोतवाल संदीप राय ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है और जांच के आधार पर विधिक कार्यवाही की जाएगी। विनोद दुबे सुल्तानपुर डिपो में कार्यरत हैं और अयोध्या जिले के ग्राम नेचारा के निवासी हैं। स्टेशन इंचार्ज, नान्हूराम सरोज ने बताया कि ₹हमारी गाड़ी कानपुर से सुल्तानपुर आ रही थी। दो यात्री जगदीशपुर से सुल्तानपुर के लिए बैठे थे उन्होंने कंडक्टर को झांसे में लेकर सब्जी मंडी के अंदर ले जाकर मारपीट की और बैग छीन लिया। बैग में करीब 18 हजार रुपये, एटीएम और टिकट मशीन थी।

न्यूज IN ब्रीफ

नवनिर्वाचित पार्षद दीपक कुमार ने उपाध्यक्ष पद की ठोकी दावेदारी

छतरपुर (पलामू): छतरपुर नगर पंचायत के वार्ड संख्या 8 से नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद दीपक कुमार ने उपाध्यक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। उन्होंने नगरवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के विश्वास और समर्थन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

दीपक कुमार ने कहा कि वे दोनों हाथों से दिव्यांग हैं, लेकिन वार्ड संख्या 8 के मतदाताओं ने उनकी कार्यशैली, ईमानदारी और समर्पण को देखते हुए उन पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, ह्लमैं हृदय से छतरपुर नगर पंचायत वासियों का आभारी हूं, जिन्होंने मुझे इस योग्य समझा। यह जीत मेरी नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की जीत है। उन्होंने आगे कहा कि नगर पंचायत में कुल 16 वार्ड पार्षद हैं और उन्हें उपाध्यक्ष पद के लिए कई पार्षदों का समर्थन प्राप्त हो रहा है। नगर के विकास, पारदर्शिता और जनसेवा को प्राथमिकता बताते हुए दीपक कुमार ने कहा कि अगर उन्हें उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलती है तो वे नगर के समग्र विकास, साफ-सफाई, पेयजल, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

दीपक कुमार ने यह भी कहा कि शारीरिक दिव्यांगता उनके हौसले और सेवा भावना को कभी कम नहीं कर सकती। ह्लमैं दोनों हाथों से दिव्यांग जरूर हूं, लेकिन मेरी नीयत, मेरी मेहनत और जनता के प्रति मेरी भावना ही मेरी असली ताकत है,

अंत में उन्होंने अपनी जीत का श्रेय छतरपुर नगर की जनता को समर्पित करते हुए सभी नगरवासियों को हार्दिक बधाई दी और भरोसा दिलाया कि वे जनभावनाओं के अनुरूप कार्य करेंगे।

छतरपुर नगर पंचायत उपाध्यक्ष पद के लिए मंजीत कुमार यादव ने ठोकी दावेदारी

छतरपुर/पलामू : छतरपुर नगर पंचायत चुनाव के परिणाम आने के बाद अब उपाध्यक्ष पद को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। इसी क्रम में वार्ड संख्या 15 से नवनिर्वाचित पार्षद मंजीत कुमार यादव ने उपाध्यक्ष पद के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर दी है। मंजीत यादव की इस घोषणा के बाद नगर की राजनीति में हलचल बढ़ गई है। विकास और युवा नेतृत्व का विजन : अपनी दावेदारी पेश करते हुए मंजीत कुमार यादव ने कहा कि जनता ने उन्हें वार्ड 15 की सेवा का जो मौका दिया है, उसे वह अब पूरे नगर पंचायत स्तर पर ले जाना चाहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि नगर पंचायत को एक ऐसे युवा और ऊजार्वान नेतृत्व की जरूरत है जो भ्रष्टाचार मुक्त शासन और धरातल पर विकास कार्य कर सके।

प्रमुख प्राथमिकताएं: स्वच्छता अभियानः नगर के हर वार्ड में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करना। पेयजल समस्याः गर्मियों के दिनों में होने वाली पानी की किल्लत को दूर करना। युवा रोजगारः स्थानीय स्तर पर युवाओं के लिए बेहतर अवसर और कौशल विकास।

पारदर्शिताः सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना। ऱ्मेरा लक्ष्य केवल पद पाना नहीं, बल्कि छतरपुर नगर पंचायत को एक आदर्श नगर निकाय के रूप में स्थापित करना है। पार्षदों का विश्वास और जनता का स्नेह मेरी असली ताकत है।

सिमडेगा में नगर विधायक प्रतिनिधि को पद से हटाया गया, अनुशासनहीनता बना कारण

सिमडेगा: जिले में नगर विधायक प्रतिनिधि के पद से हटाए जाने का मामला सामने आया है। अनुशासनहीनता के आरोप में विधायक प्रतिनिधि को उनके पद से मुक्त कर दिया गया है। इस संबंध में आधिकारिक पत्र जारी कर प्रशासन को भी सूचना दे दी गई है।

जारी पत्र के अनुसार, जनहित में नियुक्त नगर विधायक प्रतिनिधि आकाश सिंह (निवासी ठाकुरटोली, सिमडेगा) के कार्य और आचरण को लेकर शिकायतें सामने आई थीं। बताया गया है कि उनका व्यवहार विधायक और संगठन की कार्यशैली के विपरीत पाया गया। जब इस संबंध में जानकारी मिली तो इसे संगठन और व्यक्तिगत ईमानदारी के खिलाफ माना गया।

इसी को देखते हुए तत्काल प्रभाव से आकाश सिंह को नगर विधायक प्रतिनिधि के पद से हटाने का निर्णय लिया गया है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि इस निर्णय के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए इसकी सूचना उपलब्ध कराई जाए।

इस संबंध में प्रतिलिपि अनुमंडल पदाधिकारी, सिमडेगा तथा नगर परिषद सिमडेगा को भी भेजी गई है, ताकि आगे की आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

पत्र के अंत में विधायक भूषण बाड़ा ने इस निर्णय की जानकारी देते हुए इसे तत्काल प्रभाव से लागू करने की बात कही है।

टाटा बक्सर ट्रेन में दो दिन लगेगा अतिरिक्त कोच

जमशेदपुर : टाटानगर बक्सर एक्सप्रेस में शनिवार और रविवार को अतिरिक्त जनरल कोच लगेगा। यात्रियों की भीड़ के कारण चक्रधरपुर रेल मंडल से शुक्रवार को यह आदेश हुआ है ताकि आरक्षित कोच के वेटिंग यात्रियों को सहूलियत हो। बताया जाता है कि रांची और राउरकेला समेत दक्षिण पूर्व जोन के विभिन्न स्टेशनों की ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं।

भाटिया बस्ती रोड में चोरी करते रंगे हाथ पकड़ा गया युवक

जमशेदपुर : कदमा थाना क्षेत्र के भाटिया बस्ती में चोरी करते हुए परिवार के लोगों ने एक युवक को रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और आरोपी को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। घटना के संबंध में भुक्तभोगी लालू कुमार की ओर से कदमा थाने में मामला दर्ज कराया गया है। बताया जा रहा है कि 4 मार्च की देर रात करीब एक बजे यीशु मुखी उर्फ डिफनेट मुखी चोरी की नीयत से लालू कुमार के घर में घुस गया था। इसी दौरान घर के सदस्यों की नींद खुल गई और उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया।परिवार के लोगों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को भी बुला लिया, जिसके बाद आरोपी को काबू में कर पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले की जांच जारी है।

अगले सप्ताह अधिकतम तापमान 36 डिग्री के ऊपर चला जाएगा

जमशेदपुर : पिछले दिनों तापमान 35 डिग्री के ऊपर चला गया था लेकिन उसके बाद तापमान में कमी आई थी। लेकिन अगले सप्ताह में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अधिकतम तापमान 36 डिग्री के ऊपर चला जाएगा और न्यूनतम तापमान जो शुक्रवार को 18.6 डिग्री था वह भी 20 डिग्री के ऊपर चला जाएगा।

नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने के पश्चात अब बिहार के राजनीति में आयी रिक्तता

बिनय मिश्रा

बिहार के लोकप्रिय एवं विकास पुरुष के रूप में पहचाने जाने वाले नीतीश कुमार के 20 वर्षों का साम्राज्य सुशासन बाबू तथा 10 बार मुख्यमंत्री बनने के रिकॉर्ड के फलस्वरुप उनका नाम गिनीज ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ था। निरंतर बीस वर्षों तक बिहार की बागडोर संभालने वाले तथा विधानसभा चुनाव 2025 में प्रचंड मतों से जनता ने उन्हें जिस प्रकार से सत्ता सौंपी थी वह एक इतिहास ही रहा ।

वर्तमान समय में उन्होंने राज्य की राजनीति से स्वयं को अलग करने के साथ-साथ दिल्ली के राजनीति में रुचि दिखाई और वह अब राज्य के बजाए केंद्र की राजनीति करेंगे हालांकि इससे पूर्व वे केंद्रीय मंत्री मंडल में कृषि मंत्री और रेल मंत्री रह चुके हैं और अपने बेहतर कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा राज्यसभा के लिए नामांकन करने के समय केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति भी काफी उपलब्धि भरी रही क्योंकि केंद्र की राजनीति में ले जाने के लिए स्वयं अमित शाह की उपस्थिति और भाजपा के राष्ट्र अध्यक्ष की मौजूदगी भी थी हालांकि नीतीश कुमार के बिहार के बजाय केंद्र के राजनीति

करने की जानकारी और स्थिति में बिहार के लोग काफी द्रवित और दुखी भी हैं क्योंकि उनका मानना है कि बिहार में नितीश बाबू के सरकार में विकास कार्यों को भरपूर गति मिली और इसी का यह परिणाम है कि बिहार के सशक्त पहचान राजनीतिक पटल पर काफी मजबूती के साथ उभरी है । नीतीश कुमार के अब केंद्र के राजनीति में जाने के पश्चात सुशासन बाबू का योग अब स्मृति में ही होगा किंतु यह भी तय है कि बिहार के विकास में जितना योगदान नीतीश कुमार का रहा है वह हमेशा मील का पत्थर ही साबित होगा और उनके योगदान और सुशासन बाबू हमेशा बिहार राज्य के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहेंगे।

चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव ने हमेशा विकास कार्यों को दी है भरपूर गति

संवाददाता

चक्रधरपुर : झारखंड के लोकप्रिय और विकास कार्यों के प्रति हमेशा समर्पित रहने वाले विधायक की बात चलती है तो चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव का नाम स्वत जुबा पर चला आता है इसकी प्रमुख वजह यह है कि श्री उरांव सर्वप्रथम 2004 में पहली बार चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने तब उन्होंने विधायक बनने के पश्चात वर्ष 2004 से 2009 तक पूरे चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र का भरपूर विकास हुआ इस कार्यकाल में श्री उरांव के द्वारा पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए उपलब्ध कराए गए विधायक निधि काफी खरगर और उपयोगी रहे इसी का या परिणाम है कि आज भी 20 वर्षों के पश्चात जल की समस्या का निदान काफी उपयोगी साबित हो रहा हैं उनके द्वारा जनहित और लोगों की सुविधा के लिए पेयजल की जो व्यवस्था की गई अब भी काफीमहत्वपूर्ण और उपयोगी है चक्रधरपुर में जल की समस्या को दूर करने के लिए विधायक श्री उराव के विधायक निधि से निर्माण कराये गये यह जल की उपलब्धि और सुविधा आज भी काफी उपयोगी और कारगर है वर्तमान समय में भीषण गर्मी के बीच भी यह जल की सुविधा लोगों के लिए काफी कारगर है चानवारी थाना रोड दनदा साईं के अलावे अन्य स्थलों में पेयजल स्वच्छता विभाग के अधीन इन स्थलों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई गयी और आज इसका सार्थक परिणाम यह है कि 20 वर्षों के पश्चात भी यह जल की सुविधा लोगों के लिए काफी उपयोगी और कारगर है श्री उरांव की दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि भीषण गर्मी के दिन भी लोगों को जल की सुविधा सहज और आसानी के साथ उपलब्ध होती है ऐसे विधायक से जन आकांक्षा और समस्याओं का समाधान भी सहज और सरल रूप से होता है।

रोटरी क्लब ने सदर अस्पताल के रोगियों के बीच किया फलों का वितरण

संवाददाता

चाईबासा : रोटरी क्लब चाईबासा के तत्वाधान में स्थानीय सदर अस्पताल के विभिन्न वार्डों के रोगियो के बीच फलो का वितरण किया गया, सदर अस्पताल के उप सिविल सर्जन डॉ शिव चरण हांसदा ने रोटरी क्लब के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि सदस्यगण प्रत्येक माह रोगियों के लिए फलों का वितरण करते हैं, यह हम सभी के लिए प्रेरक है और कर्तव्य का निर्वहन भी, जिसके जरिए वे समाज के प्रति मानवीय भागीदारी का संबंध स्थापित करते हैं। क्लब के अध्यक्ष विकास दोदराजका ने कहा कि रोटरी अपने सामाजिक दायित्व को पूरा करने को प्रतिबद्ध है और निरंतर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर भी, भविष्य में भी हम ऐसे कई योजनाओं को जो समुदाय से सीधे जुड़े हैं के निर्वहन हेतु तत्पर है. क्लब की सचिव हीना ठक्कर ने बताया कि रोटरी क्लब पिछले नौ

माह से प्रत्येक महीने सदर अस्पताल के मरीजों के बीच फलों के वितरण कर रही है, यह कार्यक्रम स्व. साँवर प्रसाद जी दोदराजका की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। फल वितरण कार्यक्रम में रोटरी क्लब के सदस्य कृष्ण कुमार दोदराजका , दुर्गेश खत्री, दीपक प्रसाद, रितेश मुंदड़ा, शीतल मुंदड़ा तथा सामाजिक कार्यकर्ता नीलेश कुमार, प्रतीक दोदराजका और सदर अस्पताल के ओम प्रकाश सहित अन्य कई लोग उपस्थित थे।

धनबाद से एक घंटे लेट खुलेगी झारग्राम मेमू ट्रेन

संवाददाता

जमशेदपुर : झाड़ग्राम-धनबाद मेमू ट्रेन को आद्रा मंडल में लाइन ब्लॉक के कारण समय बदलकर चलाने का आदेश हुआ है। बताया जाता है कि, 8 मार्च को धनबाद से ट्रेन 1 घंटे लेट खुलेगी जबकि, शुक्रवार को भी ट्रेन 1 घंटे लेट खुली थी। वहीं, टाटानगर-आसनसोल मेमू 6 व 7 को आद्रा स्टेशन से लौट आएगी। हटिया एक्सप्रेस का मार्ग भी ब्लॉक के कारण बदला है। ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानी हो रही है।

जिले में 17 थाना प्रभारियों का तबादला

जमशेदपुर : जिले के थानों में फेरबदल किया गया है। पीयूष पांडेय ने एक साथ 17 थाना प्रभारियों का तबादला कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार साकची थाना प्रभारी आनंद कुमार मिश्रा को सीतारामडेरा थाना प्रभारी बनाया गया है, जबकि निरंजन कुमार को सीतारामडेरा से हटाकर बमामाईंस थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। सिदगोड़ा थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार को हटाकर जमशेदपुर कोर्ट का सुरक्षा प्रभारी बनाया गया है। वहीं टेल्को थाना प्रभारी प्रशांत कुमार को साकची सीसीआर भेजा गया है।बमामाईंस थाना प्रभारी दिलीप कुमार यादव को जादूगोड़ा का सर्किल इंस्पेक्टर बनाया गया है। बागबेड़ा थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव को साकची थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

घाटशिला थाना प्रभारी वंश नारायण सिंह को मुसाबनी का सर्किल इंस्पेक्टर बनाया गया है, जबकि मुसाबनी के सर्किल इंस्पेक्टर उमेश कुमार ठाकुर को बागबेड़ा थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है।इसके अलावा जादूगोड़ा के सर्किल इंस्पेक्टर सुरेश प्रसाद को टेल्को थाना प्रभारी बनाया गया है। फैज अहमद को साकची सीसीआर से हटाकर सिदगोड़ा थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। जमशेदपुर कोर्ट के सुरक्षा प्रभारी राजेंद्र मुंडा को घाटशिला का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं अजय कुमार ठाकुर को पटमदा का सर्किल इंस्पेक्टर नियुक्त किया गया है। बोड़ाम थाना प्रभारी मनोरंजन कुमार और जादूगोड़ा थाना प्रभारी राजेश कुमार मंडल को गोलमुरी पुलिस लाइन क्लोज किया गया है। नीरज कुमार को बोड़ाम का नया थाना प्रभारी और ईश्वर दयाल मुंडा को जादूगोड़ा का नया थाना प्रभारी बनाया गया है।

हुसैनाबाद नगर पंचायत में उपाध्यक्ष पद के लिए सियासी सरगर्मी तेज, तीन नाम प्रमुख दावेदार के रूप में उभरे

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद,पलामूः नगर निकाय चुनाव संपन्न होने के बाद अब हुसैनाबाद नगर पंचायत में उपाध्यक्ष पद को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार हुसैनाबाद नगर पंचायत में उपाध्यक्ष पद के चुनाव के लिए 9 मार्च को अधिसूचना जारी होगी, जबकि 17 मार्च को पार्षदों की बैठक में मतदान कराया जाएगा।

चूंकि उपाध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा नहीं बल्कि निर्वाचित वार्ड पार्षदों द्वारा किया जाना है, इसलिए नगर पंचायत के 16 पार्षदों के बीच समर्थन जुटाने को लेकर अंदरखाने जोड़तोड़ और बैठकों का दौर तेज हो गया है।उपाध्यक्ष पद की दौड़ में फिलहाल वार्ड पार्षद राजेंद्र प्रसाद पाल, राजकुमार कश्यप और अनवर आलम का नाम प्रमुख रूप से सामने आ रहा है। तीनों संभावित दावेदार पार्षदों से संपर्क साधने और समर्थन सुनिश्चित करने में जुटे हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि हुसैनाबाद नगर पंचायत के 16 वार्डों में से 09 वार्ड पार्षद महिलाएं हैं, लेकिन अब तक उपाध्यक्ष पद के लिए किसी महिला प्रत्याशी का नाम सामने नहीं आया है। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि यदि अंतिम समय में किसी महिला पार्षद की दावेदारी सामने आती है तो चुनावी समीकरण बदल सकते हैं।स्थानीय राजनीतिक जानकारों के अनुसार उपाध्यक्ष का चुनाव पूरी तरह समर्थन के गणित और पार्षदों के व्यक्तिगत समीकरण पर निर्भर करेगा। यही कारण है कि चुनाव की तारीख नजदीक आते ही संभावित प्रत्याशी अपने पक्ष में माहौल बनाने में लगे हुए हैं।अब सभी की निगाहें 17 मार्च को होने वाले चुनाव पर टिकी हैं, जब पार्षदों के मतदान के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि हुसैनाबाद नगर पंचायत का अगला उपाध्यक्ष कौन होगा।